E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -290 | प्रयागराज, गुरूवार 26 फरवरी, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

पीएम मोदी 9 साल बाद पहुंचे इजराइल,इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने पत्नी के साथ एयरपोर्ट पर किआ रिसीव,संसद को किआ संबोधित

तेल अवीव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के इजराइल दौरे पर पहुंचे हैं। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू ने एयरपोर्ट पर मोदी को रिसीव किया। इस दौरान राष्ट्रगान के साथ पीएम का स्वागत किया गया। पीएम मोदी और नेतन्याहू ने राजधानी तेल अवीव में प्राइवेट बातचीत भी की। मोदी 9 साल बाद इजराइल पहुंचे हैं। इससे पहले वे जुलाई 2017 में गए थे। मोदी संसद को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हुए। इसके अलावा वे भारतीय समुदाय के कार्यक्रम में भी शामिल होंगे और टेक्नोलॉजी प्रदर्शनी का दौरा करेंगे। नेतन्याहू ने हाथ जोड़कर पीएम मोदी को नमस्ते किया। साथ ही दोनों नेताओं ने एक दूसरे को गले भी लगाया।मोदी के इस दौरे पर भारत और इजराइल के हथियारों से जुड़ी डील पर बातचीत की संभावना है। इनमें ड्रोन और एंटी बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम शामिल हैं।इजराइली संसद में होने वाला मोदी का भाषण घरेलू राजनीति के विवाद में घिर गया है। इजराइल का विपक्ष बुधवार को संसद के विशेष सत्र का बहिष्कार करने की योजना बना रहा है। विवाद सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस आइजैक अमीत को आमंत्रित न किए जाने को लेकर

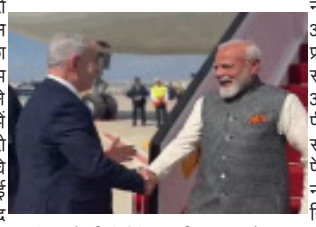

है। रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान भारत और इजराइल के बीच ड्रोन की खरीद और जॉइंट मैन्युफैक्चरिंग समेत कई बड़े रक्षा समझौतों पर सहमति बन सकती है। इजराइली मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, संसद स्पीकर अमीर ओहाना ने विशेष सत्र में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को आमंत्रित नहीं किया है। परंपरा के मुताबिक ऐसे औपचारिक सत्रों में चीफ जस्टिस को बुलाया जाता है। इसे लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव तेज हो गया है।विपक्षी नेता और पूर्व प्रधानमंत्री येर लैपिड ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस का बहिष्कार दरअसल विपक्ष का भी बहिष्कार है। लैपिड ने कहा कि वे भारत को शर्मिंदा नहीं करना चाहते, जहां 1.5 अरब आबादी वाले देश का प्रधानमंत्री आधी खाली संसद को संबोधित करे।इजराइली अखबार, द जेरूसलम पोस्ट ने पीएम मोदी के दौरे पर उनके स्वागत के लिए एक खास फ्रंट पेज छापा। फ्रंट पेज पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर के साथ हिंदी में लिखा 'नमस्ते' नजर आ रहा है। वहीं उसके बगल में हिब्रू भाषा में भी 'शालोम' लिखा है, जिसका मतलब हेलो या नमस्ते है। इसका दूसरा अर्थ शांति भी होता है। मोदी ने एक्स पर लिखा 'प्रधानमंत्री नेतन्याहू और श्रीमती नेतन्याहू द्वारा एयरपोर्ट पर स्वागत किए जाने से मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। के मुताबिक ऐसे औपचारिक सत्रों में चीफ जस्टिस को बुलाया जाता है। इसे लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव तेज हो गया है।विपक्षी नेता और पूर्व प्रधानमंत्री येर लैपिड ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस का बहिष्कार दरअसल विपक्ष का भी बहिष्कार है। लैपिड ने कहा कि वे भारत को शर्मिंदा नहीं करना चाहते, जहां 1.5 अरब आबादी वाले देश का प्रधानमंत्री आधी खाली संसद को संबोधित करे।इजराइली अखबार, द जेरूसलम पोस्ट ने पीएम मोदी के दौरे पर उनके स्वागत के लिए एक खास फ्रंट पेज छापा। फ्रंट पेज पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर के साथ हिंदी में लिखा 'नमस्ते' नजर आ रहा है। वहीं उसके बगल में हिब्रू भाषा में भी 'शालोम' लिखा है, जिसका मतलब हेलो या नमस्ते है। इसका दूसरा अर्थ शांति भी होता है। मोदी ने एक्स पर लिखा 'प्रधानमंत्री नेतन्याहू और श्रीमती नेतन्याहू द्वारा एयरपोर्ट पर स्वागत किए जाने से मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

अमेरिका में बर्फीले तूफान से 5 लाख घरों की बिजली गुल,11 हजार फ्लाइट रद्द

153 साल में पहली बार अखबार नहीं छप सका

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका में भीषण तेज हवाओं और भारी बर्फबारी के कारण एयरपोर्ट पर

रनवे बंद करने पड़े और कई जगह उड़ानों पर रोक लगानी पड़ी है। यहां रविवार से मंगलवार के बीच 11,055 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं। सिर्फ सोमवार को ही करीब 5,600 से 5,700 उड़ानें कैंसिल हुईं, जो देशभर की उड़ानों का लगभग 20फीसदी था। यह जानकारी फ्लाइट ट्रैकिंग कंपनी फ्लाइटअवेयर ने दी। नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक, रोड आइलैंड और मैसाचुसेट्स के कुछ हिस्सों में लगभग 37 इंच तक बर्फ गिरी। बर्फबारी की वजह से उत्तर-पूर्वी राज्यों में 6 लाख से ज्यादा घरों की बिजली चली गई। सोमवार शाम तक 5 लाख 19 हजार 232 घर और ऑफिस बिना बिजली के थे। भारी बर्फबारी के कारण द बोस्टन ग्लोब अपने 153 साल के इतिहास में पहली बार अखबार नहीं छाप सका क्योंकि कर्मचारी प्रिंटिंग प्रेस तक नहीं पहुंच पाए। न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में रविवार से सोमवार के बीच करीब 20 इंच बर्फ दर्ज की गई, जबकि लॉन्ग आइलैंड के इस्लिप इलाके में 22 इंच से ज्यादा बर्फ पड़ी। प्रोविडेंस, रोड आइलैंड में 32.8 इंच बर्फबारी हुई, जिसने 1978 के पुराने रिकॉर्ड 28.6 इंच को तोड़ दिया। हालात इतने खराब हो गए कि कई राज्यों में इमरजेंसी घोषित करनी पड़ी। न्यूयॉर्क सिटी में स्कूलों, सड़कों, पुलों और हाईवे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। बाद में हालात सुधरने पर मेयर जोहरान ममदानी ने यह आदेश हटा लिया और कहा कि स्कूल मंगलवार को खुलेंगे। वहीं मैसाचुसेट्स की गवर्नर मॉरा हीली ने कुछ इलाकों में ट्रैवल बैन लागू किया और लोगों से घर में रहने की अपील की।

एपस्टीन फाइल में नाम आने पर नॉर्वे के पूर्व पीएम ने की आत्महत्या की कोशिश

भ्रष्टाचार केस में 10 साल जेल हो सकती है

ओस्लो। नॉर्वे के पूर्व प्रधानमंत्री थोरब्योर्न जगलैंड को कथित तौर पर आत्महत्या की कोशिश के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना पिछले हफ्ते हुई। कुछ खबरों में दावा किया गया कि नॉर्वेजियन एडिटर्स एसोसिएशन ने उनके वकील के साथ मिलकर इस मामले को सार्वजनिक न करने पर सहमति जताई थी। हालांकि कुछ मीडिया प्लेटफॉर्मस पर उनकी गंभीर हालत का हवाला देते हुए यह खबर सामने आई। यह पूरा मामला यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से उनके संबंधों को लेकर चल रही जांच से जुड़ा है। जगलैंड पर 'एग्रेवेटेड करप्शन' यानी गंभीर भ्रष्टाचार का भी आरोप है, जिसमें अधिकतम 10 साल की जेल हो सकती है। उनके वकील की फर्म एल्डेन लॉ फर्म ने सीएनएन को पुष्टि की कि उन पर गंभीर भ्रष्टाचार का आरोप तय हुआ है, लेकिन उन्होंने सभी आरोपों से इनकार किया है। नॉर्वे की आर्थिक अपराध जांच एजेंसी 'ओकोक्रिम' इस मामले की जांच कर रही है। एजेंसी के डायरेक्टर पॉल लोनसेथ ने कहा कि उनके खिलाफ जांच की मजबूत वजह मिली है। जांच के तहत ओस्लो स्थित उनके घर और दो अन्य प्रॉपर्टी की तलाशी ली गई।

एजेंसी ने यह भी कहा कि वह इस बात की जांच कर रही है कि क्या उन्हें अपने पद के दौरान गिफ्ट, यात्राएं, कर्ज या अन्य फायदे मिले थे। तलाशी के बाद उन्हें औपचारिक रूप से संदिग्ध का दर्जा दे दिया गया है और अब उनसे पूछताछ की जाएगी।जगलैंड 1996-1997 के बीच नॉर्वे के प्रधानमंत्री रहे। इसके अलावा वे विदेश मंत्री, नॉर्वेजियन नोबेल कमेटी के चेयरमैन (2009-2015) और यूरोप की मानवाधिकार संस्था काउंसिल ऑफ यूरोप के महासचिव (2009-2019) भी रह चुके हैं। जगलैंड ने कहा है कि एपस्टीन से उनके संबंध 'गलत फैसला' या 'खराब समझ' का नतीजा थे, लेकिन उन्होंने कोई गैरकानूनी काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे और चाहते हैं कि सच्चाई पूरी तरह सामने आए। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट की तरफ से 30 जनवरी को जारी दस्तावेजों से पता चला कि जगलैंड और उनका परिवार कई बार एपस्टीन की पेरिस, न्यूयॉर्क और पाम बीच वाली प्रॉपर्टी पर गए थे।यह भी सामने आया कि एपस्टीन ने उनसे बड़े नेताओं, जैसे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात कराने में मदद मांगी थी। साथ ही उसने कुछ अपने कारोबारी और वित्तीय प्लान आगे बढ़ाने के लिए भी मदद चाहता था। दस्तावेजों में जगलैंड को 'नोबेल बिग शॉट' कहा गया।

चार्टेड प्लेन ऑपरेटर्स के लिए गाइडलाइन सख्त,विमान कि मेंटेनेंस हिस्ट्री बतानी होगी,गलती पर सिर्फ पायलट जिम्मेदार नहीं

नयी दिल्ली। एविएशन पर नजर रखने वाली संस्था डीजीसीए ने नॉन-शेड्यूल्ड ऑपरेटर (चार्टेड प्लेन, एयर एंबुलेंस) के लिए नियम सख्त कर दिए हैं। अब ऑपरेटर्स को अपनी वेबसाइट पर प्लेन की मेंटेनेंस हिस्ट्री को सार्वजनिक करना होगा। इसके साथ ही यह भी बताना होगा कि विमान कितना पुराना है। दरअसल झारखंड में एक चार्टेड प्लेन के क्रैश होने के बाद डीजीसीए ने मंगलवार को ऐसे सभी ऑपरेटरों के साथ एक मीटिंग की। इसमें ऑपरेटर्स को उनके सेफ्टी रिकॉर्ड के आधार पर रैंक करने का भी प्रस्ताव दिया गया है। हालांकि यह रैंकिंग डीजीसीए की वेबसाइट पर डाली जाएगी। डीजीसीए ने यह फैसला पिछले एक महीने में नॉन-शेड्यूल्ड ऑपरेटर से संचालित दो चार्टेड विमानों के क्रैश होने के बाद लिया है। नॉन-शेड्यूल्ड ऑपरेटर वे कंपनियां हैं जो नियमित टाइम-टेबल वाली कमर्शियल फ्लाइट नहीं चलाती, बल्कि जरूरत

या बुकिंग के आधार पर उड़ान भरती हैं।डीजीसीए के तीन बड़े फैसले- पायलट का फैसला अंतिम-अगर पायलट सुरक्षा कारणों से उड़ान रद्द / डायवर्ट / देरी करता है। तो ऑपरेटर को मानना होगा।दोष सिर्फ पायलट पर नहीं-सुरक्षा चूक के लिए कंपनी के सीनियर मैनेजमेंट को पर्सनली जिम्मेदार ठहराया जाएगा। सुरक्षा सबसे ऊपर- कमर्शियल दबाव, चार्टर कमिटमेंट या वीआईपी मूवमेंट से ऊपर सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। नियमों में सख्ती-कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) की रैंडम जांच। एडीएस बी डेटा, ईंधन रिकॉर्ड और टेक्निकल लॉग की क्रॉस चेकिंग,विमान की उम्र और मेंटेनेंस हिस्ट्री सार्वजनिक करनी होगी। एनएसओपी कंपनियों की सुरक्षा के आधार पर रैंकिंग होगी। जिन ऑपरेटर के अपने एमआरओ (मेंटेनेंस) ठीक नहीं पाए गए, उन्हें मेंटेनेंस आउटसोर्स करना होगा। रीयल-टाइम मौसम अपडेट सिस्टम और एसओपी का सख्त पालन अनिवार्य।

सरकार ने 5 ओटीटी प्लेटफॉर्म को ब्लॉक किया,अश्लील कंटेंट दिखाने पर एक्शन, 7 महीने पहले 25 प्लेटफॉर्म बैन हुए थे

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने मंगलवार को 5 ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म (ओटीटी) को ब्लॉक कर दिया है। जिन प्लेटफॉर्म पर कार्रवाई हुई, उनमें मूडएक्सवीआईपी, कोयल प्लेप्रो, डिजी मूवीप्लेक्स, फील और जुगनू शामिल हैं। सरकार का कहना है कि इन प्लेटफॉर्म पर अश्लील और आपत्तिजनक कंटेंट दिखाया जा रहा था। यह कंटेंट आईटी एक्ट 2000, आईटी नियम 2021, आईपीसी की धारा 292 और महिलाओं को गलत तरीके से दिखाने से जुड़े कानूनों का उल्लंघन करता पाया गया। यह पहली बार नहीं है जब सरकार ने ओटीटी प्लेटफॉर्म को ब्लॉक किया है। पिछले साल जुलाई में उल्लू अल्ट समेत 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म बैन किए गए थे। अल्ट एप अप्रैल 2017 में फिल्म और टीवी प्रोड्यूसर एकता कपूर ने लॉन्च किया था। वहीं उल्लू एप

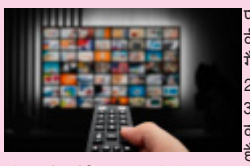

को आईआईटी कानपुर से ग्रेजुएट विभु अग्रवाल ने 2018 में बनाया था। इससे पहले मार्च 2024 में सरकार ने अश्लील कंटेंट को लेकर 18 ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बैन लगाया था। साथ ही 19 वेबसाइट्स, 10 एप्स और 57 सोशल मीडिया हैंडल्स भी ब्लॉक कर दिए थे। चार कानूनों के तहत ओटीटी एप्स पर बैन- आईटी एक्ट, 2000 (धारा 67)- इंटरनेट पर अश्लील कंटेंट प्रकाशित या फैलाना कानूनी अपराध है। आईटी एक्ट, 2000 (धारा 67) - इंटरनेट पर सेक्शुअल एक्टिविटी से जुड़ा वीडियो या कंटेंट पोस्ट करना गैरकानूनी है। बीएनएस 2023 (धारा 294)- सार्वजनिक जगहों पर अश्लील हरकत करना या गंदे शब्दों का इस्तेमाल करना दंडनीय अपराध है। महिलाओं के अश्लील (निषेध) एक्ट 1986 (धारा 4)- किसी भी माध्यम से महिलाओं को अश्लील या अपमानजनक रूप में दिखाना कानूनी अपराध है। 2020 के लॉकडाउन में जब ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को बढ़ावा दिया गया, उसी दौरान अल्ट और उल्लू एप जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर अश्लील कंटेंट ज्यादा प्रसारित होने लगा।

भारत बना रहा बेबी ब्रह्मोस, लागत में 20 गुना कम,भविष्य के जंग और सुरक्षा का नया फॉर्मूला

नयी दिल्ली। रूस-यूक्रेन और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने साफ कर दिया है कि भविष्य की जंग अब महीनों और सालों खिंचेगी। इस हकीकत को देख भारत भी तैयारी में जुट गया है। सेना का फोकस अब केवल महंगी मिसाइलों पर नहीं, बल्कि इनके 'मिनी मॉडल्स' के बड़े भंडार पर है। हाल ही में पिनाका रॉकेट सिस्टम के 'हवाई संस्करण' के परीक्षण को इसी कड़ी का हिस्सा माना जा रहा है।

दरअसल, ब्रह्मोस जैसी अचूक सटीकता और मारक क्षमता के कारण इसे 'बेबी ब्रह्मोस' भी कहा जा रहा है। हाल ही में सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने इस बदलाव को जरूरी बताते हुए कहा कि अगर हमारे पास किफायती लेकिन उच्च तकनीक वाले हथियार होंगे, तो हम लंबी जंग (हाई डेंसिटी वार) में किसी भी बड़े दुश्मन को पीछे धकेलने में सक्षम होंगे।संसद की रक्षा संबंधी स्थायी समिति ने भी अपनी हालिया रिपोर्ट में इस रणनीति पर सकारात्मक रुख दिखाया है। समिति ने जोर दिया है कि भीषण और लंबे युद्ध की स्थिति में भारत को ऐसे हथियारों की जरूरत है जो बड़े पैमाने पर और कम लागत में देश के भीतर ही बनाए जा सकें।

3 बदमाशों ने ज्वैलर्स को 10 मिनट तक पीटारिवाल्वर लूटी,भाई बोला- 200ग्रा सोना और 5किग्रा चांदी भी ले गए

प्रयागराज। घर लौट रहे ज्वैलर्स से बाइक सवार बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। आए बाइक सवार 3 बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। वह कुछ समझ पाते, इससे पहले ही एक बदमाश ने तमंचा

पीछे से आए 3 बदमाशों ने ज्वैलर्स को रोककर हेलमेट निकाला और 10 मिनट तक पिटते रहे। इसके बाद लाइसेंसी रिवॉल्वर और बैग लेकर फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस को पीड़ित ने 45 हजार रुपए कैश लूटने की बात बताई। बाद में भाई ने आरोप लगाया कि बदमाश 46 लाख का माल ले गए हैं। इसमें 200 ग्राम सोना, 5 किलो चांदी और एक लाख कैश था। घायल ज्वेलर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात मांडा थाना क्षेत्र में मंगलवार देर शाम की है। पीड़ित ज्वैलर्स प्रदीप कुमार सोनी की मांडा के चिलबिला बाजार में ज्वैलरी की शॉप है। वह भारतगंज वार्ड नंबर 3 में रहते हैं। पीड़ित के भाई रंजीत सोनी ने बताया- दोनों भाई चिलबिला बाजार में ज्वेलरी की दुकान चलाते हैं। प्रदीप छोटे भाई हैं। रोज की तरह मंगलवार शाम करीब 6 बजकर 40 मिनट पर दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। चकदोहा गांव के पंचायत भवन के सामने पहुंचते ही पीछे से निकाल किया। इसके बाद प्रदीप का हेलमेट निकलवाया और मारपीट करने लगे। करीब 10 मिनट तक लात घूसों से पीटते रहे। फिर सिर तमंचे के बट से हमला कर दिया। इसके बाद ज्वैलर्स प्रदीप खून से लथपथ होकर सड़क पर गिर पड़े। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे लेकिन बदमाश तमंचा लहराते हुए भाग गए। घटना के बाद घायल ज्वेलर ने फोन कर परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही उनके भाई और अन्य परिचित मौके पर पहुंचे। लूट की सूचना पर मांडा पुलिस और मेजा एसीपी भी पहुंचे। पुलिस ने घंटों तक छानबीन की, लेकिन लुटेरों का कोई सुराग नहीं मिला। वहीं खून से लथपथ ज्वैलर्स को नजदीक के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है।एसीपी मेजा संत प्रसाद उपाध्याय ने बताया-'लुटेरों की तलाश में टीमें लगा दी गई हैं। घटनास्थल तक आने-जाने वाले रास्तों की जांच की जा रही है।

अतीक शूटर के रिश्तेदारों ने धमकाया रुपए नहीं दिए तो दिखाई मत देना,डेरी वाले से मांगा 5 लाख गुंडा टैक्स

प्रयागराज। अतीक अहमद के के करीबियों ने डेयरी संचालक से 5 लाख रंगदारी मांगी। विरोध पर उसे मारा-पीटा। लात घूंसों और थप्पड़

से ही नहीं बल्कि ईंट से भी हमला किया। रुपये न देने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित की ओर से पूरामुफ्ती थाने में तहरीर दी गई है। हालांकि फिलहाल पुलिस ने तहरीर मिलने से इनकार किया है। मोहम्मद कमरुल पुरामुफ्ती के इब्राहिमपुर उमरी का रहने वाला है। वह झपिया गांव में आईटीबीपी कैंप के पास डेरी का संचालन करता है। उसने बताया कि मंगलवार शाम को रोज की तरह डेरी पर ही काम कर रहा था कि तभी उमरी और बमरौली गांव के रहने वाले तीन युवक अपने चार-पांच अज्ञात साथियों के साथ तीन कारों पर सवार होकर वहां पहुंचे। आरोप है कि युवकों ने आते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और धमकाकर उसे बुलाया। जब वह उनके पास पहुंचा तो उनमें से एक ने कहा कि पांच लाख रुपए कब दोगे। जब उसने पूछा कि किस बात के पांच लाख रुपए तो सभी मिलकर उसे पीटने लगे। लाख घूंसों और थप्पड़ के साथ उस पर ईंट से भी हमला किया। जमकर पिटाई करने के बाद हमलावर धमकी देते हुए चले गए। धमकाया कि कल से देरी में दिखे तो जान से मार देंगे। पीड़ित के अनुसार, हमलावरों में से एक युवक पूरामुफ्ती थाने का हिस्ट्रीशीटर है। वह उमरी का रहने वाला है और अतीक अहमद के कुख्यात शूटर आबिद प्रधान का रिश्तेदार है। हमलावरों में शामिल एक अन्य युवक 2 साल पहले हत्या कर शव फंदे पर लटकाने के मामले में जेल भेजा गया था। आरोप है कि सभी इलाके में दबंगई करते फिरते हैं। पीड़ित का कहना है कि उसने पूरामुफ्ती थाने में मामले की लिखित शिकायत की है। हालांकि पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। उधर इस मामले में पुरामुफ्ती थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह का कहना है कि उन्हें कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलती है तो कार्रवाई की जाएगी।

नवाबगंज में नाराज होकर निकली बहनें 6 घंटे में मिलीं,पुलिस ने सकुशल बरामद किया

प्रयागराज। नवाबगंज क्षेत्र से सोमवार सुबह कॉलेज और स्कूल के लिए निकली दो सगी बहनें संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गईं। देर शाम तक घर न लौटने पर परिजनों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों बहनों को 6 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया। परिजनों ने बताया कि दोनों बहनें सुबह करीब 9:30 बजे घर से पढ़ाई के लिए निकली थीं। देर रात तक वापस न आने और बड़ी बेटी का मोबाइल फोन स्विच ऑफ आने से उनकी चिंता बढ़ गई थी। काफी खोजबीन के बाद भी जब उनका पता नहीं चला, तो परिजन नवाबगंज थाने पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पीड़ित पिता ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनकी बड़ी बेटी उम्र (20) श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय, शांतिपुरम फाफामऊ में बीएससी की छात्रा है। वहीं, छोटी बेटी उम्र (17) आरती रस्तोगी इंटरमीडिएट कॉलेज, शिवपुर में इंटरमीडिएट की पढ़ाई कर रही है। नवाबगंज थाना प्रभारी निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों लड़कियां घर से नाराज होकर चली गई थीं।

पुलिस को जानकारी मिलते ही उनकी तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए दोनों बहनों को कुछ ही घंटों में ढूंढ निकाला और परिजनों को सौंप दिया।

संगमनगरी में 31 डिग्री पहुंचा तापमान, यूपी में बढ़ने लगी गर्मी

प्रयागराज। फरवरी के अंत और मार्च की शुरुआत में यूपी में मौसम शुष्क रहेगा. सभी 75 जिलों में आसमान साफ और धूप खिली रहेगी. लखनऊ में हल्के छिटपुट बादल छाने की संभावना है. आने वाले चार दिनों में दो पश्चिमी विक्षोभ हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करेंगे, पहला 27 फरवरी और दूसरा 2 मार्च को. हालांकि बारिश की कोई संभावना नहीं है. न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी। अयोध्या से बरेली तक छाया रहेगा धूप-बुधवार को अमेठी, रायबरेली, अयोध्या, सीतापुर, श्रावस्ती, प्रयागराज, प्रतापगढ़, गाजियाबाद, ललितपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, वाराणसी, आगरा, मथुरा, अलीगढ़, बरेली, रामपुर, मुरादाबाद, गोरखपुर, देवरिया, बस्ती, कुशीनगर, मिर्जापुर, सोनभद्र, चंदौली, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, बहराइच, जौनपुर, गाजीपुर, लखीमपुर खीरी, आजमगढ़, बलरामपुर, महराजगंज, बलिया और आस पास के जिलों में सुबह से धूप खिली रहेगी.अनुमान है कि ज्यादातर जिलों में अधिकतम तापमान 28 से 32 डिग्री सेल्सियस के करीब होगा.राजधानी लखनऊ के अमौसी स्थित आंचलिक मौसम केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार (25 फरवरी) को यूपी के पूर्वी और पश्चिमी संभाग में मौसम शुष्क रहेगा।

प्रयागराज के रहने वाले हापुड़ में ज्वाइंट डायरेक्टर की लाश नाव पर मिली

हापुड़। हापुड़ में गंगा के ब्रजघाट पर बुधवार सुबह सरकारी प्रिंटिंग और स्टेशनरी विभाग में

तैनात ज्वाइंट डायरेक्टर बच्चू सिंह (45) का शव नाव में पड़ा मिला। सुबह घाट पर टहलने आए लोगों और नाविकों ने नाव में शव पड़ा देख पुलिस को सूचना दी। आनन फानन में ब्रजघाट पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ज्वाइंट डायरेक्टर को सीपीआर देकर जान बचाने की कोशिश की। उसके बाद सीएचसी भिजवाया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनकी तैनाती रामपुर जिले के निदेशालय एवं मुद्रणालयवार में थी। उनकी बेटी ने पिता की मौत पर सवाल उठाते हुए मामले को संदिग्ध बताया है।मूल रूप से प्रयागराज के कंधईपुर धूमनगंज के रहने वाले बच्चू सिंह पुत्र महाराज सिंह के परिवार में पत्नी देवेंद्री के अलावा 24 साल का बेटा शब्द और बेटी शिवानी है। शिवानी की शादी हो अलीगढ़ से हुई है। पत्नी बेटे शब्द के साथ पत्नी प्रयागराज में रहती हैं। शव मिलने की सूचना पर अलीगढ़ से बेटी शिवानी हापुड़ पहुंचीं और पिता की लाश देख फफकर रो पड़ीं। शिवानी ने बताया- हमें पता चला कि पापा अचेत अवस्था में ब्रजघाट में मिले हैं। उनकी सांसे चल रही थी, गढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जाते-जाते उनकी मृत्यु हो गई। जबकि मेरे पापा को स्वास्थ्य संबंधी कोई दिक्कत नहीं थी। शिवानी ने बताया- हमें ये पूरी घटना संदिग्ध लग रही है। हमें नहीं पता कि पापा ब्रजघाट कैसे पहुंचे। हमारी मांग है कि हापुड़ पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच करें। जिससे उनकी मौत का कारण स्पष्ट हो सके। पुलिस अब इस बात की गहनता से जांच कर रही है कि बच्चू सिंह ब्रजघाट किन परिस्थितियों में पहुंचे और उनकी मौत कैसे हुई। घटनास्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और अन्य पहलुओं को भी खंगाला जा रहा है। कोतवाली गढ़मुक्तेश्वर और ब्रजघाट पुलिस संयुक्त रूप से मामले की जांच में जुटी है।कोतवाली प्रभारी देवेंद्र बिष्ट ने बताया - शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रथम दृश्यता मामला बीमारी से जुड़ा लग रहा है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच पड़ताल की जा रही है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा फैसला,यूपी बोर्ड को मिला अहम अधिकार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयागराज से बड़ी

खबर सामने आई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) को एक महत्वपूर्ण अधिकार देते हुए साफ कर दिया है कि बोर्ड से संबद्ध स्कूलों में केवल बोर्ड द्वारा स्वीकृत किताबें ही पढ़ाई जाएंगी। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच, जिसमें न्यायमूर्ति नीरज तिवारी और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद शामिल हैं, ने इस संबंध में दाखिल सभी याचिकाओं का निस्तारण कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद को यह पूर्ण अधिकार है कि वह अपने अधीन हाईस्कूल और इंटरमीडिएट कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों का निर्धारण करे। बोर्ड से मान्यता प्राप्त स्कूलों में अब केवल स्वीकृत पुस्तकों से ही पढ़ाई कराई जाएगी। इस मामले में कई निजी प्रकाशकों ने याचिकाएं दाखिल की थीं, जिनमें बोर्ड के इस फैसले को चुनौती दी गई थी। हालांकि, हाईकोर्ट ने प्रकाशकों की सभी याचिकाओं को खारिज करते हुए बोर्ड के निर्णय को वैध ठहराया। क्या बदलेगा इस फैसले से? यूपी बोर्ड से संबद्ध स्कूलों में अनधिकृत किताबों पर रोक,छात्रों को एक समान और मानक पाठ्य सामग्री,शिक्षा व्यवस्था में मनमानी और भ्रम पर लगाम, हाईकोर्ट के इस फैसले को शिक्षा व्यवस्था में अनुशासन और पारदर्शिता की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

धर्मा ढाबा पर अवैध गतिविधियों का आरोप, ढाबे से युवक-युवती थाने लाई गई, पूछताछ के बाद छोड़ा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सैदपुर। सैदपुर क्षेत्र के

नेशनल हाईवे पर मदारीपुर के पास स्थित धर्मा ढाबा पर अवैध रूप से (मइई) कमरे संचालित किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि ढाबे पर लंबे समय से युवक-युवतियों को कमरा उपलब्ध कराया जा रहा था, जिससे क्षेत्र का माहौल प्रभावित हो रहा है।प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 फरवरी को पुलिस को सूचना दी गई कि उक्त ढाबे पर कपल को रूम दिया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। पुलिस ने वहां मौजूद एक युवक और एक युवती के साथ ढाबा संचालक को हिरासत में लेकर थाने ले आई। थाने पर पूछताछ के बाद पुलिस ने युवक-युवती को छोड़ दिया। आसपास के ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कई दिनों से ढाबे पर बाहरी युवक-युवतियों का आना-जाना लगा रहता है और पुलिस कर मिली भगत से ही या अवैध रूप से कमरे दिए जाते हैं। ग्रामीणों के अनुसार कई बार लड़का-लड़की मुंह ढककर आते थे, कुछ समय बिताते थे और फिर चले जाते थे। इसे लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ था। इस संबंध में सैदपुर प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर गई थी। वहां से एक युवक और एक युवती को पूछताछ के लिए थाने लाया गया था। जांच में कोई आपत्तिजनक स्थिति न मिलने पर दोनों को छोड़ दिया गया। प्रभारी निरीक्षक बिरेन्द्र त्रिपाठी बताया कि मामले की निगरानी की जा रही है और यदि भविष्य में कोई अवैध गतिविधि पाई जाती है तो विधिक कार्रवाई की जाएगी।

चकबन्दी प्रक्रिया के तहत ग्राम चौपाल का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (न्यायिक)/उप संचालक चकबन्दी रायबरेली विशाल कुमार यादव ने बताया है कि शासन के निर्देशानुसार चकबन्दी प्रक्रिया के अन्तर्गत ग्रामों के समुचित प्रचार प्रसार के उपरान्त तिथि व स्थान निर्धारित करते हुए समयसारिणी बना कर अपनी उपस्थिति में ग्राम चौपाल का आयोजन सुनिश्चित करते हुए कृषकों का फीडबैक प्राप्त कर उनकी समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिये गये हैं। अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) ने उक्त के अनुपालन में जनपद रायबरेली के निर्धारित ग्रामों में अपराह्न 01:00 बजे ग्राम चौपाल का आयोजन किये जाने हेतु समय सारिणी निर्धारित किया है, जिसके अनुसार 27 फरवरी को उप संचालक चकबन्दी द्वारा तहसील सलोन के ग्राम डीह में, बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी तहसील सदर के ग्राम प्यारेपुर में, तहसील सदर के ग्राम मझिगवां हरदोई में चकबंदी अधिकारी हरचन्दपुर द्वारा ग्राम चौपाल में जनसमस्याओं का निस्तारण किया जायेगा। इसी प्रकार 28 फरवरी 20226 को उप संचालक चकबन्दी द्वारा तहसील लालगंज के ग्राम भीरतगांव में एवं चकबंदी अधिकारी हरचंदपुर तहसील सलोन के ग्राम बरवलिया ग्राम चौपाल में जनसमस्याओं का निस्तारण करायेंगे।

त्योहारों से पहले मिलावटखोरों पर सख्ती,कई जिलों में टनो मिलावटी और एक्सपायर खाद्य पदार्थ जब्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। त्योहारों का मौसम

आते ही मिलावटखोर एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं। मुनाफे की भूख में ये लोग आम जनता की सेहत से खिलवाड़ करने से भी नहीं चूक रहे। खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई में उत्तर प्रदेश के कई जिलों से भारी मात्रा में मिलावटी और एक्सपायर खाद्य सामग्री जब्त की गई है। कानपुर में करीब 50 लाख रुपये मूल्य के 10 हजार किलो एक्सपायर खजूर जब्त किए गए। वहीं नोएडा में 100 किलो मिलावटी 1200 किलो मिलावटी और नकली पनीर जब्त किया गया, जबकि बाराबंकी में 6000 किलो मिलावटी खाद्य पदार्थ और 400 लीटर एक्सपायर तेल पकड़ा गया। इसके अलावा संभल में 250 किलो मिलावटी रसगुल्ले को नष्ट कराया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि त्योहारों के दौरान मांग बढ़ते ही ऐसे गिरोह सक्रिय हो जाते हैं, जो सस्ते और हानिकारक पदार्थों से मिठाइयों और खाने-पीने की चीज़ों को तैयार कर बाजार में खपा देते हैं। ये न सिर्फ कानून का उल्लंघन है, बल्कि लोगों की जान के साथ सीधा खिलवाड़ भी है। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि त्योहारों के दौरान खाने-पीने की चीज़ें खरीदते समय सावधानी बरतें, खुले और संदिग्ध स्थानों से खाद्य सामग्री न लें। बेहतर यही है कि संभव हो तो घर का बना भोजन और मिठाइयों का ही सेवन करें, ताकि आप और आपका परिवार सुरक्षित और स्वस्थ रह सके।

मा0 प्रभारी मंत्री राकेश सचान ने कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों व कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक कर दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 मंत्री सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम,खादी एवं

ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग उ0प्र0/प्रभारी मंत्री जनपद राकेश सचान ने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ कानून-व्यवस्था की स्थिति एवं विकास कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की। बैठक में प्रभारी मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सर्वे में यह सुनिश्चित कराया जाये कि कोई पात्र लाभार्थी का नाम सर्वे में न छूटें। निराक्षित गोवंश की समीक्षा करते हुए निर्देशित शतप्रतिशत निराश्रित गोवंशों को आश्रित कराया जायें, गोशालाओं में हरे चारे की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए, आवश्यकतानुसार गोवंश आश्रय स्थल का निर्माण कराया जायें। गोवंश सहभागिता योजना के अन्तर्गत लोगों को प्रेरित कर अधिक से अधिक गोवंशों की सुपुर्दगी करायें। आयुष्मान कार्ड की समीक्षा में निर्देश दिये कि कार्य में तेजी लाते हुए शतप्रतिशत पात्र लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनवाया जायें। किसानों को सिंचाई हेतु नहरों में टेल तक पानी पहुंचाया जाए, जिससे किसानों को फसल सिंचाई में कोई दिक्कत न हो, किसानों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए विद्युत आपूर्ति भी रोस्टर के अनुसार सुनिश्चित करायी जायें। ग्रामीण क्षेत्रों में जले हुवे ट्रासंफार्मर को 24 से 48 घंटे में रिप्लेश कराया जाए। लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि सड़कों की नवीनीकरण/मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाए, इसके साथ ही निर्माणकार्य की गुणवत्ता भी सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष में एक माह का समय शेष बचा है सभी विभाग अपने लक्ष्यों की शतप्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करायें, इसके साथ ही शत प्रतिशत प्राप्त बजट का उपयोग समय से कर लिया जाए, वित्तीय वर्ष के निर्माणाधीन कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराया जाए। जनपद में आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु भी विचार विमर्श किया गया तथा निर्देश गये कि जनपद में सभी त्यौहारों को शांतिपूर्ण व सौहार्द पूर्ण ढंग से मनाया जाए, इसके लिए सभी व्यापक प्रबंध किये जाये। इस अवसर पर अशोक कुमार मा0 विधायक सलोन, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता, डीएफओ प्रखर मिश्रा, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 नवीन चन्द्रा, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए सतीश प्रसाद मिश्रा सहित सभी सम्बान्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जनपद में किशोरियों के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान की तैयारी तेज,ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)रायबरेली। जनपद में किशोरियों को सर्वाइकल (गर्भाशय) कैंसर से बचाव के लिए ह्यूमन

पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान शीघ्र शुरू किया जाएगा। इस संबंध में बुधवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय स्थित एएनएमटीसी में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चंद्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा इस अभियान की शुरुआत की जा चुकी है और वैक्सीन उपलब्ध होते ही जनपद में भी टीकाकरण शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सर्वाइकल कैंसर भारत में महिलाओं में होने वाला दूसरा प्रमुख कैंसर है। एचपीवी टीकाकरण जिला महिला अस्पताल सहित सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) पर किया जाएगा। यह सिंगल डोज टीका होगा।उन्होंने बताया कि अभियान के प्रारंभिक अंतर्गत प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को पूरे वर्ष उपलब्ध रहेगा। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि इस अभियान के तहत 14 वर्ष आयु की वे सभी किशोरियां लाभार्थी होंगी, जिन्होंने अपना 14वां जन्मदिन मना लिया है, लेकिन अभी 15वां जन्मदिन नहीं मनाया है। उन्होंने बताया कि कुल जनसंख्या का लगभग एक प्रतिशत किशोरियां इस आयु वर्ग में आती हैं। टीकाकरण के लिए पंजीकरण अभिभावक स्वयं यू-विन पोर्टल पर कर सकेंगे। पंजीकरण के उपरांत ओटीपी के माध्यम से डिजिटल सहमति प्रदान की जाएगी। आयु सत्यापन हेतु पहचान पत्र अनिवार्य होगा। टीकाकरण प्रमाणपत्र भी यू-विन पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकेगा। राज्य परामर्श दाता (एचपिवी) मो नसीम ने प्रशिक्षण पूर्ण कराया।जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी डी.एस. अस्थाना ने बताया कि टीकाकरण एएनएम, स्टाफ नर्स, एलएचवी (लेडी हेल्थ विजिटर) एवं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) द्वारा किया जाएगा। इसके लिए संबंधित स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा तथा संपूर्ण कार्यक्रम के लिए माइक्रोप्लान तैयार किया जाएगा। समुदाय में जागरूकता बढ़ाने और पात्र किशोरियों को स्वास्थ्य केंद्रों तक लाने में आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसके अतिरिक्त जन आरोग्य समिति, महिला आरोग्य समितियों एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों का भी सहयोग लिया जाएगा।प्रशिक्षण कार्यक्रम में डा राकेश कुमार यादव अर्बन नोडल,जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अंजली सिंह, डा सी लाल, वन्दना त्रिपाठी डीएमसी यूनिसेफ समस्त अधीक्षक, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, बीपीएम, एआरओ एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि सहित कुल 49 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-

Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-

Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

सीवरेज को प्लास्टिक के ढक्कन से ढक्कर किया जा रहा है लोगों की जान से खिलवाड़

नोएडा के खुले सीवर बन रहे 'मौत का कुआं'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शहर में जगह-जगह खुले पड़े सीवरेज और नालों की गंभीर समस्या को लेकर उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने अब आर-पार की जंग का ऐलान कर दिया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन के नेतृत्व में इस जानलेवा लापरवाही के खिलाफ एक व्यापक मुहिम शुरू की गई है। प्रमुख बिंदु- हादसों को आमंत्रणः नोएडा के विभिन्न क्षेत्रों सेक्टर 101, 78 में खुले सीवर और गहरे नाले बड़े हादसों को खुला निमंत्रण दे रहे हैं। ये स्थान राहगीरों, विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं।

अथॉरिटी की अनदेखी-उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण से बार-बार अनुरोध के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

अधिकारियों की इस लुंभकर्णी नींद के कारण शहरवासी और व्यापारी वर्ग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

घेराव की चेतावनीः प्राधिकरण की उदासीनता से क्षुब्ध होकर उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने अब नोएडा अथॉरिटी के घेराव का निर्णय लिया है। यदि जल्द ही इन खुले सीवरों को ढका नहीं गया और व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई, तो सैकड़ों व्यापारी सड़कों पर उतरेंगे।

प्राधिकरण की चुप्पी के खिलाफ आर-पार की लड़ाई लड़ेगा उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल

समाजसेविका श्रीमती संतोष सिंह को ईआरडी फाऊंडेशन द्वारा सम्मानित किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ईआरडी फाऊंडेशन द्वारा सायकिल,,छडी,,ह्वील चेयर इत्यादि दिलवाना एव सामाजिक

चिंमया मिशन दिल्ली में वरिष्ठ समाजसेविका श्रीमती संतोष सिंह को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। श्रीमती संतोष सिंह ने दिव्यांग, बूढे और जरूरत मंद लोगो को ट्राई कार्य मे उत्कृष्ट कार्य करने के कारण ई आर,डी फाउंडेशन के चेयरमैन संजीव भारद्वाज द्वारा चिन्मया मिशन दिल्ली मे मोमेंटम एव बुलेट देकर सम्मानित किया।

दीपा देवी को अटल सम्मान समारोह में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। एल टी जी आडोटोरियम दिल्ली में आयोजित अटल सम्मान समारोह में उज्ज्वल उन्नति की अध्यक्ष दीपा देवी को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों एवं समाजसेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।यह सम्मान न केवल दीपा देवी के लिए, बल्कि पूरे संगठन और उनसे जुड़े सभी कार्यकर्ताओं के लिए गर्व और हर्ष का विषय है। उज्ज्वल उन्नत संस्था की अध्यक्ष दीपा देवी ने इस उपलब्धि का श्रेय समाज के सहयोग और टीम के सामूहिक प्रयासों को दिया है।

बीपीएड अनुदेशक भर्ती पूर्ण कराने की मांग तेज, अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री से की हस्तक्षेप की अपील

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बीपीएड अनुदेशक पदों पर वर्षों पूर्व आमंत्रित किए गए आवेदनों के बावजूद अब तक

काउंसलिंग एवं नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण न होने से अभ्यर्थियों में गहरी निराशा व्याप्त है।

लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे युवाओं ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से भर्ती प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कराने की मांग उठाई है। अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने निर्धारित अर्हताओं के साथ कई वर्ष पूर्व आवेदन किया था, किन्तु आज तक न तो काउंसलिंग की तिथि घोषित की गई और न ही नियुक्ति की कोई स्पष्ट सूचना जारी हुई।

लगातार विलंब के कारण अनेक योग्य युवा आर्थिक और मानसिक संकट का सामना कर रहे हैं। युवाओं ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी को ध्यान में रखते हुए बीपीएड

अनुदेशक भर्ती की काउंसलिंग प्रक्रिया शीघ्र प्रारम्भ कर नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएं, ताकि योग्य अभ्यार्थियों को रोजगार का अवसर मिल सके।

उनका कहना है कि परिवार की जिम्मेदारियों और रोजी-रोटी की चिंता के बीच यह प्रतीक्षा और

अधिक कठिन होती जा रही है। अभ्यर्थियों ने आशा व्यक्त की है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी युवाओं के भविष्य को

प्राथमिकता देते हुए संबंधित विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करेंगे,

जिससे वर्षों से लंबित भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कर हजारों युवाओं को राहत मिल सके।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों का काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। टीचर्स फेडरेशन आफ इण्डिया (टीएफआई) के बैनर तले तैयारियों को लेकर विकास क्षेत्र सरेनी में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिक से अधिक शिक्षकों

टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता के विरोध में जनपद के शिक्षकों ने दूसरे दिन भी काली पट्टी बांधकर अपना विरोध दर्ज कराया। शिक्षकों ने शिक्षण कार्य, बोर्ड परीक्षा ड्यूटी तथा बीआरसी प्रशिक्षण में काली पट्टी के साथ सहभागिता कर सरकार के निर्णय के प्रति आक्रोश और असंतोष व्यक्त किया। आगामी 26 फरवरी को विकास भवन में प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन की से आकस्मिक अवकाश लेकर आंदोलन में सहभागिता सुनिश्चित करने पर विस्तृत चर्चा हुई। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, शाखा-रायबरेली के जिलाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला ने कहा कि शिक्षक अपने भविष्य को लेकर भय और असुरक्षा की भावना से ग्रसित है। उन्होंने कहा कि शिक्षक वर्ग मानसिक दबाव झेल रहा है, किंतु सरकार इस पीड़ा के प्रति संवेदनशील नहीं दिख रही है। सरकार यदि शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना चाहती है तो उसे शिक्षकों की आशंकाओं और समस्याओं पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। वहीं उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ, शाखा-रायबरेली के जिलाध्यक्ष राघवेन्द्र यादव ने बताया कि 26 फरवरी को जनपद के शिक्षक आकस्मिक अवकाश लेकर विकास भवन में धरना-प्रदर्शन करेंगे। इसके उपरांत प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से प्रेषित किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षक हितों की रक्षा के लिए टीएफआई का आंदोलन जारी रहेगा। बैठक में अध्यक्ष जिला संघर्ष समिति पंकज द्विवेदी, जिला मंत्री मुकेश चंद्र द्विवेदी एवं सिया राम सोनकर, जनपदीय कोषाध्यक्ष सुधीर सिंह एवं शिवशरण सिंह, जनपदीय संगठन मंत्री संदीप बाजपेई एवं नीरज शुक्ला, जनपदीय संयुक्त मंत्री डॉ. चंद्र मणि बाजपेई, सरेनी अध्यक्ष रावेश द्विवेदी सहित अनेक पदाधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

विश्व ब्राह्मण कल्याण परिषद की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न,विभिन्न राज्यों में नई नियुक्तियाँ घोषित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। विश्व ब्राह्मण कल्याण परिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक 6, तुगलक लेन स्थित डॉ. दिनेश

शर्मा (राज्यसभा सांसद एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार) के आवास पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष कलराज मिश्र ने की। बैठक में देशभर से आए पदाधिकारियों ने सहभागिता की तथा संगठन के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में निम्न महत्वपूर्ण नियुक्तियों की घोषणा की गई। मध्य प्रदेश के अध्यक्ष पद पर नर्मदा शंकर भार्गव को नियुक्त किया गया। उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष पद पर विनोद पांडे (पूर्व एमएलसी) को जिम्मेदारी सौंपी गई। अनूप मिश्रा (पूर्व मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार) को मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ का प्रभारी नियुक्त किया गया। राष्ट्रीय महामंत्री सुरेश मिश्रा को गुजरात एवं राजस्थान का प्रभारी बनाया गया। वर्तमान विधान परिषद सदस्य श्री चंद्र शर्मा को शिक्षक प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त कर देशभर के शिक्षकों को संगठन से जोड़ने की जिम्मेदारी दी गई। वीरेश तिवारी को आर्थिक प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ पं शिवांग पांडेय को पूरे देश के युवा प्रकोष्ठ की टीम को नियुक्त करने का आग्रह किया गया। अपने उद्बोधन में डॉक्टर सतीश शर्मा ने संगठन निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए 15 अप्रैल तक 'संगठन पर्व' मनाने की घोषणा की। उन्होंने विशेष रूप से उत्तर प्रदेश को छह क्षेत्रों में विभाजित कर प्रत्येक क्षेत्र में सशक्त संगठनात्मक ढांचा खड़ा करने का लक्ष्य निर्धारित किया। डॉ विवेक को दिल्ली का प्रभारी और माधव शर्मा को सह प्रभारी नियुक्त किया गया। बैठक में राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष पंडित सतीश शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनूप मिश्रा , राष्ट्रीय महामंत्री सुरेश मिश्रा, एमएलसी श्री चंद्र शर्मा, वीरेश तिवारी , शिवांग पांडे, कार्यालय प्रभारी मुकेश शर्मा, दिल्ली प्रदेश युवा अध्यक्ष हरीश शर्मा, राष्ट्रीय मंत्री मनोज शास्त्री एवं अमित मिश्रा राष्ट्रीय मंत्री, राष्ट्रीय प्रचार प्रमुख अरविंद भारद्वाज, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी मुकुल बाजपेई,आचार्य डॉ. विवेक (दिल्ली प्रदेश प्रभारी), कोषाध्यक्ष शरद शर्मा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री दुर्गा प्रसाद तिवारी जी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष माधव शर्मा, राष्ट्रीय मंत्री कुलदीप अवस्थी लखनऊ एवं राजेश पाण्डेय कन्नौज से अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संगठन को ग्राम स्तर तक सशक्त किया जाएगा तथा समाजहित के कार्यों को गति प्रदान की जाएगी।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

कांग्रेसियों का विरोध प्रदर्शन प्रधानमंत्री नामित दिया ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा बुधवार को अपनी विभिन्न मांगों

को लेकर प्रधानमंत्री नामित ज्ञापन एड़ीएम को देखकर बुलंद की आवाज़। वहीं जिला अध्यक्ष ने बताया कि द्वाराज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती एवं उनके शिष्यों के विरुद्ध दर्ज एफ. आई.आर. की निष्पक्ष जांच, निरस्तीकरण तथा संपूर्ण प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच के संबंध में ज्ञापन दिया गया है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष रामराज गोड़ ने बताया कि हाल ही में ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य पूज्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी एवं उनके शिष्यों के साथ घटित घटनाक्रम अत्यंत चिंताजनक है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुंभ के दौरान मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर उन्हें एवं उनके शिष्यों को स्नान करने से रोका गया तथा उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। कुछ शिष्यों की चोटी खींचकर अपमानित करने जैसी अमर्यादित घटना भी सामने आई, जिससे धार्मिक भावनाएँ गहराई से आहत हुई हैं। इसके अतिरिक्त भी निष्पक्ष परीक्षण कराया जाए। 3. शिष्यों के साथ हुई अभद्रता एवं चोटी खींचकर अपमानित करने की घटना की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी अधिकारियों/व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। 4. भविष्य में धार्मिक स्वतंत्रता एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा हेतु आवश्यक निर्देश जारी किए जाएँ। कृपया न्यायोचित एवं संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप आवश्यक कार्यवाही करने की कृपा करें। इस मौके पर आज दिनांक 25/ 2 /2026 को जिला अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी सोनभद्र रामराज सिंह गौड़ के अध्यक्षता में ज्ञापन दिया गया मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में राबर्ट्सगंज विधानसभा प्रत्याशी कमलेश ओझा, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु), नूरुद्दीन खान, कन्हैया पांडेय, मृदुल मिश्रा, जितेंद्र देव पांडेय, दयाशंकर देव पांडेय, रामेश्वर यादव, ज्यूत मौर्या, शीतला पटेल, तमेश्वर तिवारी, वंशीधर पांडे, बाबूलाल पनिका, रामसागर,मौजूद रहे।

आठ माह से मानदेय बकाया, होली से पहले भुगतान की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। ग्राम रोजगार सेवकों व

मनरेगा कर्मचारियों ने मंगलवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर बकाया मानदेय के शीघ्र भुगतान की मांग उठाई। ग्राम रोजगार सेवक (पंचायत मित्र) वेलफेयर एसोसिएशन, जनपद सोनभद्र के बैनर तले जिलाध्यक्ष विनय कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में कर्मचारी कलेक्ट्रेट पहुंचे और अपनी समस्याओं से अवगत कराया। ज्ञापन में कहा गया कि मनरेगा कर्मचारी बीते 18 वर्षों से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत पूरी निष्ठा से कार्य कर रहे हैं और शासन की योजनाओं को गति प्रदान कर रहे हैं। इसके बावजूद उनका अल्प मानदेय पिछले आठ माह से बकाया है।कर्मचारियों का कहना है कि मानदेय न मिलने से बच्चों की फीस, दवाइयों और ब्लॉक आने-जाने का खर्च प्रभावित हो रहा है। कर्ज बढ़ने से आर्थिक संकट गहराता जा रहा है और कई कर्मचारी भुखमरी की स्थिति में पहुंच गए हैं। उन्होंने बताया कि ग्राम रोजगार सेवक मनरेगा के तहत ई-केवाईसी के साथ-साथ बीएलओ और एसआईआर जैसे अतिरिक्त दायित्वों का भी निर्वहन कर रहे हैं। होली पर्व नजदीक होने के कारण कर्मचारियों में चिंता व्याप्त है। संघ ने प्रशासन से होली से पूर्व बकाया मानदेय दिलाने की मांग की है। चेतावनी दी गई कि यदि भुगतान नहीं हुआ तो कर्मचारी अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। प्रदर्शन में एपीओ विनय मिश्रा, पंकज कुमार, विमलेश, अभिलाष, मनीष कुमार, प्रदीप सिंह राणा, सुनील सिंह, सिराज अहमद, अशोक कुमार, संतोष पांडेय, प्रशांत सिंह, गिरीश चंद, योगेंद्र, बीना, विनीता, रुक्मणी, शायदा बानो, सतीश चंद्र, प्रमोद और कैलाश सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

अपहरण के दोषी मनोज प्रजापति को 4 वर्ष के कठोर कारावास की सजा,7 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर 15 दिन की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। करीब साढ़े 7 वर्ष पूर्व 14 वर्ष 4 माह की नाबालिग किशोरी के अपहरण के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट अमित वीर सिंह की अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर अपहरण के दोषी मनोज प्रजापति को 4 बर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। उसके ऊपर 7 हजार रूपये अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर 15 दिन की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 5 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक कोन थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता के पिता ने कोन थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 4 अक्तूबर 2018 को सुबह 9 बजे जब वह स्कूल

जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी,अर्थदंड की धनराशि में से 5 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी,करीब साढ़े 7 वर्ष पूर्व 14 वर्ष 4 मह की नाबालिग किशोरी के अपहरण का मामला

पढ़ने जा रही थी तभी उसकी नाबालिग बेटी का अपहरण कर मनोज प्रजापति पुत्र रामविलास निवासी खेमपुर टोला धौरहरा, थाना कोन, जिला सोनभद्र अपने घर के बक्से में बंद करके रखा था। जब घर के लोग मनोज प्रजापति के घर गए तो लड़की बक्से के अंदर से बेहोशी हाल में मिली। इस तहरीर पर कोन पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचना के दौरान पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 9 गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर अपहरण के दोषी मनोज प्रजापति (32) वर्ष को 4 वर्ष का कठोर कारावास एवं 7 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 15 दिन की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वही अर्थदंड की धनराशि में से 5 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्यप्रकाश त्रिपाठी व नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

सोनभद्र में आयकर विभाग की हाईटेक जांच, ड्रोन कैमरों और सेटेलाइट तकनीक से खदानों की जियो-मैपिंग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। सोनभद्र जिले में आयकर विभाग की टीम ने हाईटेक तरीके से जांच शुरू की है। ड्रोन कैमरों और सेटेलाइट

तकनीक के जरिए खदानों की जियो-मैपिंग की जा रही है। जिला खनिज विभाग से प्राप्त पट्टों के दस्तावेजों को आधार बनाकर तकनीकी और अनुसंधान टीम वास्तविक खनन क्षेत्र का मिलान कर रही है। सूत्रों के मुताबिक शिकायत मिली थी कि कई खदानों में निर्धारित मानकों से अधिक गहराई तक खनन किया गया है। इसी आधार पर पूरे प्रदेश में एक साथ बड़ी कार्रवाई की गई है, जिसमें सोनभद्र सबसे बड़े फोकस पर है। लगभग 25 वाहनों के काफिले के साथ पहुंचे अधिकारियों ने पहले चरण में आधा दर्जन से अधिक खनन कारोबारियों के आवास और प्रतिष्ठानों पर दबिश दी। खास बात यह रही कि कई गाड़ियों पर शादी समारोह के स्टिकर और पंपलेट लगाए गए थे, ताकि पूरा मिशन गोपनीय रहे और किसी को भनक न लगे। कार्रवाई के दौरान उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जनपदों की नंबर प्लेट वाली गाड़ियां नजर आईं, तो कई वाहन उत्तराखंड के विभिन्न जिलों से भी पहुंचे दिखाई दिए। अब जांच सीधे खदानों तक पहुंच चुकी है। ओबरा थाना क्षेत्र समेत कई इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात है और खनन व्यवसाय में सन्नाटा पसरा है। वाराणसी जोन के ज्वाइंट डायरेक्टर प्रांजल सिंह के नेतृत्व में चल रही इस कार्रवाई में प्रदेश भर में 20 से 22 स्थानों पर छापेमारी की जा रही है, जबकि अकेले सोनभद्र में लगभग 14 ठिकानों को जांच के दायरे में लिया गया है। करीब 100 से अधिक अधिकारी जिले में अलग-अलग टीमों में बंटकर कार्रवाई कर रहे हैं। टीम ने पत्थर की खदानों का स्थलीय निरीक्षण किया और ड्रोन की मदद से खनन किए गए पूरे एरिया की सेटेलाइट और जीपीएस मैपिंग की जा रही है। डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर खनन की वास्तविक गहराई और स्वीकृत सीमा का मिलान किया जा रहा है।

पीड़ित केन्द्रित न्याय प्रणाली एवं महिला सुरक्षा सम्मेलन का भव्य आयोजन

रॉबर्ट्सगंज में वरिष्ठ अधिकारियों, विशेषज्ञों एवं विभिन्न विभागों की गरिमामयी सहभागिता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बुधवार को जनपद सोनभद्र के रॉबर्ट्सगंज स्थित एक होटल में 'पीड़ित केन्द्रित

न्याय प्रणाली एवं महिला सुरक्षा सम्मेलन' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में पद्मश्री से सम्मानित सुनीता कृष्णन उपस्थित रहीं। उनके साथ अहमद अली भी मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पियूष मोरडिया (अपर पुलिस महानिदेशक, वाराणसी जोन), आर . पी . सिंह (पुलिस महानिरीक्षक, विंध्याचल परिक्षेत्र), जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, अभिषेक वर्मा (पुलिस अधीक्षक,), अपर्णा रजत कौशिक (पुलिस अधीक्षक, मीरजापुर), मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार, क्षेत्राधिकारी नगर, रणधीर मिश्रा, अमित कुमार, राहुल पाण्डेय, हर्ष पाण्डेय समस्त क्षेत्राधिकारीगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला प्रोवेशन विभाग, वन स्टॉप सेंटर एवं बाल कल्याण समिति के अधिकारीगण सहित वाराणसी जोन के 09 जनपदों के महिला एवं पुरुष अधिकारी/ कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की प्रमुख झलकियाँ- दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ। छात्राओं द्वारा गुरु वन्दना की सांस्कृतिक प्रस्तुति। जनपद में स्थापित 10 मिशन शक्ति केन्द्रों की कार्यप्रणाली एवं उपलब्धियों की जानकारी। जेंडर बेस्ड विलेंस एवं ट्रेउमा इनफार्मेड केयर (पीड़ित केन्द्रित प्रणाली) पर विस्तृत चर्चा। महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम हेतु रणनीतियों पर विचार-विमर्श। मुख्य वक्ता डॉ0 सुनीता कृष्णनन ने बताया कि उन्होंने अब तक लगभग 32,000 से अधिक पीड़ित/पीड़िताओं को चाइल्ड हैरेसमेंट, यौन उत्पीड़न एवं मानव तस्करी से मुक्त कराकर न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता एवं त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया। सम्मेलन में महत्वपूर्ण विधिक एवं सामाजिक विषयों पर विस्तृत चर्चा-सम्मेलन के दौरान निम्न प्रमुख विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत जानकारी

प्रदान की गई– सेक्स एवं जेंडर की अवधारणा- लिंग (सेक्स) एवं सामाजिक लिंग (जेंडर) के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए बताया गया कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की जड़ में लैंगिक असमानता एवं सामाजिक पूर्वाग्रह महत्वपूर्ण कारक हैं। नेचर ऑफ़ क्राइम अगेंस्ट वीमेन महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की प्रवृत्ति, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, मानव तस्करी, साइबर अपराध आदि के बदलते स्वरूप पर चर्चा की गई। क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम एवं अन्य स्तकेहोल्डर्स पुलिस, अभियोजन, न्यायालय, विधिक सेवा प्राधिकरण, वन स्टॉप सेंटर, बाल कल्याण समिति एवं सामाजिक संस्थाओं की समन्वित भूमिका पर बल दिया गया। विक्टिमस एंड क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम पीड़ितों के अधिकार, गोपनीयता, सम्मान एवं न्यायिक प्रक्रिया में सहयोगात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। फीचर्स ऑफ़ ओर लीगल फ्रेमवर्क- भारतीय विधिक ढांचे की सेवा प्रदाताओं एवं विभिन्न एजेंसियों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित कर पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने की रणनीति पर बल दिया गया।

बेनिफिट्स ऑफ़ ट्रेउमा इनफार्मेड सर्विसेज-पीड़ितों के साथ संवेदनशील व्यवहार, पुनः आघात से बचाव एवं मनोवैज्ञानिक सहयोग के महत्व को रेखांकित किया गया।

पॉसो एक्ट एवं चाइल्ड मैरिज एक्ट-प्रोटेक्शन ऑफ़ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफन्सेस एक्ट पॉसो एक्ट तथा प्रोहिबीशन ऑफ़ चाइल्ड मैरिज एक्ट के प्रावधानों, दंडात्मक व्यवस्थाओं एवं बाल संरक्षण में उनकी भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी गई। मिशन शक्ति केन्द्रों पर पीड़िताओं के साथ संवेदनशील एवं शालीन व्यवहार पर विशेष ज़ोर- सम्मेलन में महिला आरक्षियों को निर्देशित किया गया कि मिशन शक्ति केन्द्रों पर आने वाली प्रत्येक पीड़िता के साथ सम्मानजनक, गोपनीय एवं सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार किया जाए। उन्हें विधिक, चिकित्सीय एवं मनोवैज्ञानिक सहायता हर संभव स्तर पर उपलब्ध कराई जाए। डॉ0 सुनीता कृष्णनन ने कहा कि पीड़ित केन्द्रित न्याय प्रणाली का उद्देश्य केवल अपराध पंजीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि पीड़िता को सुरक्षित वातावरण, भावनात्मक सहयोग एवं न्यायिक प्रक्रिया में मार्गदर्शन प्रदान करना भी है। सोनभद्र पुलिस महिला सुरक्षा, पीड़ित सम्मान एवं संवेदनशील पुलिसिंग हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा समाज के सभी हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित कर महिला सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

शासन की मंशा के अनूरूप सभी कार्य ससमय किये जाये पूर्ण-मा0 प्रभारी मंत्री

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद मुख्यालय पर आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में रविंद्र जायसवाल जी, प्रभारी मंत्री ने विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में माननीय सदर विधायक भूपेश चौबे, जिलाधिकारी श्री बी0एन0 सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा, जिला अध्यक्ष भाजपा नंदलाल गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 पंकज राय सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मा0 प्रभारी मंत्री ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माणाधीन सड़कों का कार्य मार्च माह तक गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये। इस दौरान मा0 मंत्री जी ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत 'हर घर नल योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन स्थानों पर सड़कों को बिना अनुमति काटा गया है और मरम्मत कार्य लंबित है, संबंधित एजेंसियों के विरुद्ध लोक निर्माण विभाग और नगर पंचायत विभाग प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होने अधिशासी अभियंता, जल निगम को निर्देशित किया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धारित समयानुसार जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए, विशेषकर आगामी ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न न होने पाए। इस दौरान उन्होनें प्रभागीय वनाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में चिरौंजी, अर्जुन जैसे उपयोगी वृक्षों का व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कराया जाए, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हों। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को वृक्षारोपण की शपथ भी दिलाई। विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा करते हुए ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत बाउंड्री वॉल, शौचालय, पेयजल, विद्युत आपूर्ति एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने विद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण एवं आदर्श बनाने पर विशेष बल दिया। अधिशासी अभियन्ता विद्युत विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद सोनभद्र में विद्युत आपूर्ति निर्धारित समयावधि के अनुसार सुनिश्चित की जाए और किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होने कहा कि ट्रान्सफार्मर मरम्मत का कार्य निर्धारित समय अवधि में किया जाये, डीसी मनरेगा को जी-राम योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए, ताकि श्रमिकों को योजना का अधिकतम लाभ मिल सके। प्रभारी मंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण हेतु सभी विभाग समन्वय स्थापित कर नवाचार अपनाएं और जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

2047 तक विकसित भारत के निर्माण हेतु सभी विभाग समन्वय स्थापित कर नवाचार अपनाएं और जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करें सुनिश्चित-मा0 प्रभारी मंत्री

तहसील राबर्ट्सगंज के ग्राम पंचायत मांगो व बघुआरी में ग्राम चौपाल का आयोजन 26 व 27 फरवरी को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी, सोनभद्र जगदीश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया की चकबन्दी आयुक्त उत्तर प्रदेश लखनऊ के आदेशानुसार चकबन्दी प्रक्रियान्तर्गत ग्रामों में ग्राम चौपाल का आयोजन कर कृषकों के फीडबैक प्राप्त कर उनकी समस्याओं का निराकरण कर सूचना निदेशालय पर उपलब्ध कराने के निदेश प्रदत्त है। उक्त के अनुपालन में बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी सोनभद्र द्वारा ग्राम चौपाल अयोजित की जानी है। उन्होंने बताया की तहसील राबर्ट्सगंज के ग्राम पंचायत मांगों में 26 फरवरी 2026 को प्रातः 11 बजे व ग्राम पंचायत बघुआरी में 27 फरवरी 2026 को प्रातः 11 बजे ग्राम चौपाल का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया की अधिकारी / सहायक चकबन्दी अधिकारी उपरोक्त ग्रामों में ग्राम चौपाल के समय चकबन्दी / चकबन्दी कर्ता/चकबन्दी लेखपाल समस्त अभिलेखों सहित उपस्थित रहेगें।

सोनभद्र को मिली नयी सौगात- भोपाल-धनबाद एक्सप्रेस चोपन से शुरू, सांसद-मंत्री ने दिखाई हरी झंडी

सोनभद्र। जनपद के रेल यात्रियों के लिए बुधवार का दिन महत्वपूर्ण रहा, जब 11631/ 11632 भोपाल-धनबाद-भोपाल

एक्सप्रेस सेवा का शुभारंभ किया गया। चोपन रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक कार्यक्रम में सांसद छोटेलाल सिंह खरवार और समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव गोंड ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। यह नई सेवा क्षेत्र के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित थी। इस नई रेल सेवा के माध्यम से सोनभद्र का सीधा रेल संपर्क मध्य प्रदेश और झारखंड राज्यों से स्थापित हो गया है। इसके साथ ही, चोपन-भोपाल के बीच एक जोड़ी साप्ताहिक ट्रेन का संचालन भी किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के यात्रियों को अतिरिक्त आवागमन सुविधा प्राप्त होगी। इस एक्सप्रेस ट्रेन में कुल 22 आधुनिक एलएचबी (लिंक हॉफमैन बुश) कोच लगाए गए हैं। इन कोचों में एसी प्रथम श्रेणी, एसी द्वितीय श्रेणी, एसी तृतीय श्रेणी, शयनयान और साधारण श्रेणी के डिब्बे शामिल हैं। एलएचबी कोच अपनी बेहतर सुरक्षा मानकों और आरामदायक यात्रा सुविधाओं के लिए जाने जाते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद छोटेलाल सिंह खरवार

ने कहा कि क्षेत्र में बेहतर रेल संपर्क विकास की आधारशिला है और यह नई सेवा लगातार किए गए प्रयासों का परिणाम है। राज्य मंत्री संजीव गोंड ने जानकारी दी कि ट्रैक दोहरीकरण का कार्य पूरा होने के बाद सोनभद्र का संपर्क बिहार, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों से और सुदृढ़ करने के लिए अन्य महत्वपूर्ण ट्रेनों का संचालन भी सुनिश्चित किया जाएगा।

टी-20 वर्ल्डकप

इंग्लैंड लगातार 5वीं बार सेमीफाइनल में, ब्रूक शतक लगाने वाले पहले कप्तान,बाबर लोएस्ट स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाज

नयी दिल्ली। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप में इतिहास रचते हुए

लगातार 5वीं बार सेमीफाइनल में जगह बना ली। मंगलवार रात पाकिस्तान को 2 विकेट से हराकर टीम इस एडिशन के नॉकआउट में पहुंचने वाली पहली टीम बनी। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक बतौर कप्तान टी-20 वर्ल्ड कप में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। वहीं पाकिस्तान के बाबर आजम इस टूर्नामेंट में सबसे कम स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाजों में शामिल हो गए।इंग्लैंड टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार पांचवीं बार सेमीफाइनल में पहुंच गया है। टीम 2016 से 2026 तक लगातार पांच बार सेमीफाइनल में पहुंची है। इससे पहले पाकिस्तान और श्रीलंका चार-चार बार लगातार अंतिम चार में पहुंचे थे, लेकिन इंग्लैंड अब इस मामले में सबसे आगे निकल गया है। हैरी ब्रूक ने कप्तान रहते हुए पाकिस्तान के खिलाफ 100 रन की पारी खेलकर इतिहास रच दिया। वह टी-20 वर्ल्ड कप में शतक लगाने वाले पहले कप्तान बने। इससे पहले क्रिस गेल का 98 रन सर्वोच्च स्कोर था। ब्रूक टी-20 वर्ल्ड कप रन चेज में शतक लगाने वाले चौथे बल्लेबाज भी बने।हैरी ब्रूक ने 50 गेंदों में शतक लगाकर टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक जड़ा। वह सिर्फ क्रिस गेल (47 गेंद) से पीछे हैं। साथ ही ब्रूक इंग्लैंड के लिए तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले तीसरे खिलाड़ी भी बने। उनसे पहले जोस बटलर, डेविड मलान ऐसा कर चुके हैं।टी-20 वर्ल्ड कप में जहां बल्लेबाजों से तेज रन बनाने की उम्मीद होती है, वहीं बाबर आजम का स्ट्राइक रेट 111.5 रहा है, जो 500 से ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबसे कम है। इस लिस्ट में हफीज, संगकारा और विलियमसन जैसे बड़े नाम भी हैं, लेकिन बाबर सबसे नीचे हैं।शाहीन अफरीदी नई गेंद से टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास के सबसे खतरनाक गेंदबाज साबित हुए हैं। उन्होंने पावरप्ले में 18 विकेट लेकर इस फेज में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया।पाकिस्तान के लिए टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अब शाहीन अफरीदी के नाम है। उन्होंने 102 मैचों में 135 विकेट लेकर हारिस रऊफ को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 133 विकेट हैं। शादाब खान तीसरे स्थान पर हैं, जबकि मोहम्मद नवाज और दिगज ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी भी इस सूची में शामिल हैं।पाकिस्तान के लिए एक टी-20 वर्ल्ड कप सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने का रिकॉर्ड अब साहिबजादा फरहान के नाम हो गया है। उन्होंने 2026 एडिशन में 13 छक्के जड़कर मोहम्मद रिजवान का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2021 सीजन में 12 सिक्स लगाए थे।

इम्यूनिटी बढ़ाएं, हेल्दी हार्ट के लिए जरूरी, जानें डाइट में कैसे शामिल करें

लखनऊ। एक मशहूर कहावत है- 'ईट द रेनबो।' इसका मतलब है, अपनी थाली में अलग-अलग रंगों वाले नेचुरल फूड शामिल करिए। ये सिर्फ कहावत नहीं बल्कि साइंटिफिक एडवाइज भी है। दरअसल, रेड स्ट्रॉबेरी, बैंगनी प्लम, हरी पत्तेदार सब्जियां और नीली ब्लूबेरी जैसे रंगीन फूड्स में पावरफुल एंटीऑक्सिडेंट 'पॉलीफेनॉल्स' होते हैं। 'लंदन के किंग्स कॉलेज' की हालिया स्टडी के मुताबिक, लंबे समय तक पॉलीफेनॉल रिच डाइट लेने से हार्ट हेल्दी रहता है। ये स्टडी पीयर रिव्यू मेडिकल जर्नल 'बीएमसी मेडिसिन' में पब्लिश हुई है। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. पूनम तिवारी, सीनियर डाइटीशियन, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ जी से सवाल जवाब के माध्यम से- सवाल- एंटीऑक्सिडेंट फूड क्या होते हैं? जवाब- एंटीऑक्सिडेंट फूड को समझने के लिए पहले हमें दो बातें समझनी होगी- एंटीऑक्सिडेंट,फ्री रेडिकल्स, फ्री रेडिकल्स क्या हैं? फ्री रेडिकल्स यानी ऐसे अनस्टेबल मॉलिक्यूल, जो शरीर की कोशिकाओं को डैमेज करते हैं। आसान भाषा में इसे ऐसे समझें कि हमारे शरीर की सारी कोशिकाएं ऑक्सीजन की मदद से ऊर्जा बनाती हैं। इस प्रोसेस में कुछ इलेक्ट्रॉन छूटकर बाहर चले जाते हैं और शरीर को डैमेज करते हैं। ये जो छूटे हुए आवारा इलेक्ट्रॉन हैं, इन्हें ही फ्री रेडिकल्स कहते हैं। और ये शरीर को जो नुकसान पहुंचाते हैं, उसे ही ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस कहते हैं। एंटीऑक्सिडेंट क्या है? ऊपर हमने समझा कि फ्री रेडिकल्स हमारे दुश्मन हैं।

गुड हैबिट्स- भोजन में ढेर सारी सब्जियां खाने की आदतःसब्जी खाने से दिमाग होता तेज, बढ़ती उम्र, कब्ज, अपच, बीमारियां दूर रहती हैं

नयी दिल्ली। दुनिया में 5 ब्लू जोन हैं। यहां के लोगों की औसत उम्र 100 साल से ज्यादा है। ये लोग लंबे जीवन के लिए 9 नियम अपनाते हैं। उनमें सबसे खास है कि प्लांट बेस्ड खाना ही खाएंगे। ऐसी सभी चीजें खाएंगे, जो पेड़-पौधों के रूप में प्रकृति ने हमें दी हैं। ये खाने में ज्यादा-से-ज्यादा सब्जियां शामिल करते हैं। इसमें कोशिश ये होती है कि जितने ज्यादा रंगों की सब्जियां खाने में शामिल कर सकें। सब्जियां विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर से भरपूर होती हैं। इनसे मिले न्यूट्रिएंट्स से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और डाइजेस्टिव सिस्टम बेहतर होता है। इससे हार्ट डिजीज, स्ट्रोक और टाइप-2 डायबिटीज जैसी क्रॉनिक बीमारियों का जोखिम कम हो जाता है। खास बात ये है कि इनमें कैलोरी और फाइबर कम होता है। आज 'गुड हैबिट्स' कॉलम में ज्यादा सब्जियां खाने की आदत के बारे में जानेंगे। साथ ही जानेंगे कि- खाने में सब्जियां ज्यादा क्यों होनी चाहिए? ज्यादा सब्जियां खाने के क्या फायदे हैं? सब्जियां क्यों हैं इतनी खास? सब्जियां हमारे शरीर के लिए एक सुपरफूड की तरह हैं। इनमें विटामिन्स, मिनरल्स, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो हमें अंदर से मजबूत बनाते हैं। लेकिन ऐसा क्या है जो इन्हें इतना जरूरी बनाता है? विटामिन और मिनरल्स का खजाना- फल और सब्जियां विटामिन ए,सी,ई और मिनरल्स जैसे मैग्नीशियम, जिंक, फॉस्फोरस और फोलिक एसिड से भरपूर होती हैं। पोटेशियम के लिए एवोकाडो, शकरकंद, केला, आलूबुखारा और टोमैटो प्यूरी खाएं। स्वाद और टेक्सचर की ढेरों वैरायटी- हर फल और सब्जी का स्वाद और बनावट अलग होती है। आप चाहें तो तीखे स्वाद वाले प्याज, जैतून और मिर्च ट्राई करें या फिर हल्के स्वाद वाले मशरूम और कॉर्न। मीठा खाने का मन हो तो अंगूर, अनन्नास

और आलूबुखारा खाएं और खट्टे स्वाद के लिए नींबू और चकोतरा बढ़िया हैं। फाइबर से भरपूर- अधिकतर फल और सब्जियां फाइबर से भरपूर होते हैं, जो पेट भरने और पाचन को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं। ज्यादा फाइबर वाली सब्जियां हैं- मटर, ब्रोकली और फूलगोभी। फाइबर वाले फल हैं- रसभरी, नाशपाती और सेब। कम कैलोरी, कम फैट- अमूमन फल और सब्जियां कम कैलोरी और फैट वाली होती हैं, इसलिए इन्हें ज्यादा मात्रा में खा सकते हैं बिना वजन बढ़ने की चिंता के। उदाहरण के तौर पर, आधा कप अंगूर खाने से आप एक चौथाई कप के मुकाबले 200 से ज्यादा कैलोरी बचा सकते हैं। हां, एवोकाडो, जैतून और नारियल जैसे कुछ अपवाद भी हैं जिनमें थोड़ा ज्यादा फैट होता है। बीमारियों से बचाव- फल और सब्जियों में कुछ खास प्राकृतिक तत्व फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो कई बीमारियों से बचाव करते हैं। इन्हें खाने से डायबिटीज टाइप 2, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर और कैंसर का खतरा कम हो सकता है। खासकर ब्रोकली, पत्ता गोभी, सरसों और जलकुंभी जैसी क्रूसीफेरस सब्जियां कैंसर से बचाव में मददगार मानी जाती हैं। अच्छी सेहत में मददगार- इनमें सैचुरेटेड फैट, नमक और चीनी बहुत कम होती है, इसलिए ये बैलेंस्ड डाइट का हिस्सा बनती हैं। ये वजन कम करने या बढ़ने से बचाने में मदद करती हैं। साथ

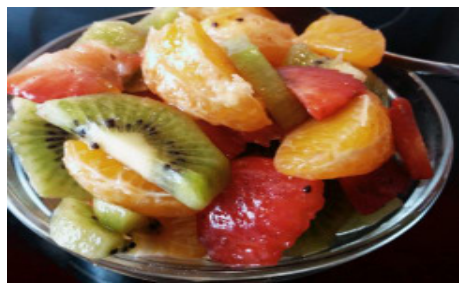

ही सूजन कम करने, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर घटाने में भी असरदार हैं। बहुत कम सोडियम और कोलेस्ट्रॉल- ताजे फल और सब्जियों में सोडियम बहुत कम होता है। जैसे बहुत लोग मानते हैं कि सेलरी में सोडियम ज्यादा होता है, लेकिन एक डंठल में सिर्फ 30 मिलीग्राम होता है, जो सिर्फ 1फीसदी डेली वैल्यू है। सब्जियां कैसे खाएं? अब सवाल यह है कि सब्जियों को अपनी रोज की डाइट में कैसे शामिल करें। बहुत से लोग सोचते हैं कि सब्जियां खाना बोरिंग है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। कुछ आसान तरीके हैं-सब्जियों को सलाद बनाएंः पालक, टमाटर, खीरा और गाजर को मिलाकर एक रंग-बिरंगा सलाद तैयार करें। थोड़ा नींबू और नमक डालें, मजा दोगुना हो जाएगा। सूप में डालकर खाएंः ठंड के दिनों में सब्जियों का सूप बनाएं। गाजर, मटर और ब्रोकली डालकर इसे सेहतमंद और स्वादिष्ट बनाएं। भूनकर खाएंः आलू, शिमला मिर्च और बैंगन को हल्का तेल लगाकर भून लें। यह नाश्ते के लिए भी बढ़िया है। स्मूदी ट्राई करेंः पालक या चुकंदर को फलों के साथ ब्लेंड करें। यह पीने में आसान और पोषण से भरपूर होता है। दाल में मिलाकर खाएंः अपनी रोज की दाल में थोड़ी सी सब्जियां डालें, जैसे लौकी या पालक। स्वाद और सेहत दोनों बेहतर होते हैं। सब्जियां खाने के फायदे - सब्जियां खाने से हमारे शरीर को ढेर सारे फायदे मिलते हैं। इसके कुछ खास फायदे हो सकते हैं- पेट की सेहत बेहतर रहती है सब्जियों में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है और कब्ज की समस्या नहीं होने देता। बीमारियों से बचाव होता है सब्जियों में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर की कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं और इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं। वजन कंट्रोल में रहता है सब्जियां कैलोरी में कम और पोषण में ज्यादा होती हैं, जिससे वजन बढ़ने का खतरा नहीं रहता और शरीर फिट रहता है। दिमाग की कार्यक्षमता बढ़ती है हरी सब्जियों में पाए जाने वाले विटामिन्स और मिनरल्स मस्तिष्क को सक्रिय रखते हैं और याददाश्त बेहतर बनाते हैं। त्वचा निखरती है- विटामिन ए और सी से भरपूर सब्जियां त्वचा को स्वस्थ, चमकदार और जवां बनाए रखने में मदद करती हैं। हर दिन कम से कम 2-3 कटोरी सब्जियां खानी चाहिए। इससे न सिर्फ शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि आपका मूड भी अच्छा रहता है। सब्जियां न खाने का नुकसान- अगर सब्जियां नहीं खाते, तो शरीर को जरूरी तत्व नहीं मिलते। इम्यूनिटी कमजोर होती है, पेट खराब रहता है और वजन बढ़ने का खतरा रहता है। लंबे समय तक ऐसा चला तो डायबिटीज और हार्ट की बीमारियां भी हो सकती हैं। आपके शरीर को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है- पाचन की दिक्कतः फाइबर की कमी से पेट खराब रहता है। कमजोरीः विटामिन्स न मिलने से थकान जल्दी होती है। बीमारियों का खतराः दिल और डायबिटीज जैसी बीमारियां बढ़ सकती हैं। वजन बढ़ताः सब्जियों की जगह जंक फूड खाने से मोटापा हो सकता है। सब्जियों को खाने में कैसे शामिल करें? सब्जियां खाना कोई मुश्किल काम नहीं है। बस थोड़ा सा दिमाग लगाएं और ये आपकी जिंदगी का हिस्सा बन जाएंगी। मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ। पहले मुझे पालक और भिंडी बिल्कुल पसंद नहीं थे। कुछ आसान तरीके आजमाएं और अब मेरी थाली में हर दिन कोई न कोई सब्जी जरूर होती है।

फुट मसाज से घटता स्ट्रेस,खुद से फुट मसाज करने के 9 टिप्स, न करें ये 7 गलतियां, डॉक्टर से जानें इसके 6 फायदे

नयी दिल्ली। दिनभर की भागदौड़, ऑफिस का दबाव, घर की जिम्मेदारियां और लगातार मोबाइल या कंप्यूटर की स्क्रीन पर नजरें टिकाए

रखना। इन सब चीजों का असर हमारे शरीर और दिमाग पर पड़ता है। इससे थकान बढ़ती है और मानसिक तनाव भी बना रहता है। अक्सर हम इतनी थकान के बावजूद काम को जारी रखते हैं। फुट मसाज यानी पैरों की मालिश एक आसान और असरदार तरीका है। यह न केवल बिना दवा के किया जा सकता है, बल्कि खर्च भी बहुत कम है। पैरों में शरीर के कई महत्वपूर्ण प्रेशर पॉइंट्स होते हैं, जिन्हें हल्के दबाव से मालिश करने पर तनाव कम होता है, नींद सुधरती है और दिमाग को शांति मिलती है। मामले को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- क्या वाकई सिर्फ पैरों की मसाज से पूरा शरीर रिलैक्स हो सकता है? जवाब- साल 2022 में, नेशनल

लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश्ड एक स्टडी के मुताबिक, रिफ्लेक्सोलॉजी (जिसमें पैरों, हाथों या कानों के कुछ खास बिंदुओं पर दबाव डाला जाता है) से तनाव कम होता है और शरीर को आराम मिलता है। पैरों की सतह पर मौजूद एक्यूप्रेशर पॉइंट्स सीधे दिमाग, दिल, किडनी, फेफड़े और रीढ़ की नसों से जुड़े होते हैं। जब हम इन

पॉइंट्स पर हल्का दबाव डालते हैं तो शरीर का नर्वस सिस्टम सक्रिय होता है, ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और मांसपेशियों की जकड़न कम होती है। इससे पूरे शरीर में रिलैक्सिंग हार्मोन (जैसे एंडोर्फिन और सेरोटोनिन) रिलीज होते हैं, जो तनाव घटाने में मदद करते हैं।सवाल- क्या ऊपर बताए गए मसाज के तरीके किसी भी उम्र के लोग कर सकते हैं? जवाब- हां, ये तरीके 10 साल के बच्चे से लेकर 80 साल के बुजुर्ग तक, सभी के लिए फायदेमंद हैं। कुछ विशेष परिस्थितियों जैसे चोट लगी होने या बीमार होने पर मसाज करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है। हालांकि सामान्य थकान, तनाव या नींद की परेशानी में ये उपाय सुरक्षित हैं। सवाल- क्या किसी विशेष समय पर मसाज करने से ज्यादा फायदा होता है? जवाब- रात को सोने से ठीक पहले किया गया फुट मसाज सबसे प्रभावी होता है। उस समय शरीर पहले से ही रिलैक्स मोड में होता है और मसाज दिमाग को नींद के लिए तैयार करता है। इसके अलावा, सुबह उठने के तुरंत बाद हल्का मसाज भी शरीर को एक्टिव रखने में मदद करता है। सवाल- मसाज करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- पैरों की मालिश करते समय कुछ जरूरी बातें हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

आइए इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं। सवाल- क्या फुट मसाज सिर्फ तनाव कम करता है या और भी फायदे हैं? जवाब- पैरों की मालिश से न केवल तनाव और थकान घटती है, बल्कि ये शरीर के कई और हिस्सों पर भी सकारात्मक असर डालता है। आइए इसके फायदे ग्राफिक के जरिए समझते हैं। सवाल- क्या कोई घरेलू तरीके हैं जिससे पैरों की मालिश करने में आसानी हो? जवाब- हां, आप कुछ घरेलू उपाय आजमा सकते हैं, आइए इन तरीकों को ग्राफिक के जरिए समझते हैं।

सवाल- क्या ये आदत रोज अपनाई जा सकती है? जवाब- बिल्कुल। 10-15 मिनट की यह आदत न सिर्फ तनाव घटाती है, बल्कि एक शॉर्ट मेडिटेशन का एक्सपीरियंस भी कराती है। खासतौर पर जब आप थकान से चूर हों, दिनभर भागदौड़ में उलझे हों और दिमाग शांत न हो तो इस तरीके को अपनाकर बिना किसी दवा या खर्च के गहरी राहत पा सकते हैं।

घर पर ही करें वर्कआउट, फिटनेस एक्सपर्ट से जानें 10 रेन फ्रेंडली एक्सरसाइज

कानपूर। बारिश का मौसम गर्मी से राहत देता है। लेकिन यह उन लोगों के लिए चुनौती बन

जाता है, जो रोजाना जिम जाते हैं या पार्क में टहलना और एक्सरसाइज करना पसंद करते हैं। लगातार होती बारिश, उमस और फिसलन न सिर्फ जिम जाने में आलस बढ़ाती है, बल्कि आउटडोर वर्कआउट की रेगुलैरिटी भी बिगाड़ देती है। ऐसे में बरसात के दिनों में फिजिकली एक्टिव रहना वाकई मुश्किल हो जाता है। हालांकि इस मौसम में घर से बाहर कदम रखे बिना भी आप फिट और एक्टिव रह सकते हैं। इसके लिए बस सही प्लानिंग और थोड़े मोटिवेशन की जरूरत होती है। विषय को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से और इसपर प्रकाश डालेंगे एक्सपर्टः हरिओम ओझा, जिम ट्रेनर और वेटलिफ्टिंग कोच, कानपुर जी। सवाल- बारिश के कारण वॉक या रन नहीं कर पा रहे तो घर पर कौन सी एक्सरसाइज बेस्ट होगी? जवाब- बारिश के मौसम में अगर आप वॉक या रन नहीं कर पा रहे हैं तो चिंता न करें। घर पर ही कुछ बेहतरीन एक्सरसाइज की मदद से आप कार्डियो, स्ट्रेंथ और स्टैमिना पर काम कर सकते हैं। इनमें स्पॉट जॉगिंग, स्किपिंग (रस्सी कूदना), बर्पीज, डांस वर्कआउट और सूर्य नमस्कार जैसी एक्सरसाइज शामिल हैं। इनमें से किसी भी एक्सरसाइज को रोजाना 15-30 मिनट तक करने से वॉक या रन की कमी पूरी की जा सकती है।पुश-अप्स में पेट के बल लेटकर हाथ कंधों के नीचे रखें और पैर सीधे रखें। शरीर को सिर से एड़ी तक सीधा रखें और कोहनियां मोड़कर सीना नीचे लाएं। जमीन से 1-2 इंच पहले रुकें, फिर सांस छोड़ते हुए ऊपर उठें। शुरुआत में 8-10 पुश-अप्स करें, फिर धीरे-धीरे बढ़ाएं। स्पॉट जॉगिंग एक जगह खड़े होकर दौड़ने जैसा वर्कआउट है। घुटनों को ऊंचा उठाएं और हाथों को साथ में हिलाएं। पैरों को हल्के से जमीन पर रखें, जोर से न पटकें। शुरुआत 2-5 मिनट से करें और धीरे-धीरे समय बढ़ाएं। स्किपिंग के लिए रस्सी को दोनों हाथों में लेकर पीछे से घुमाना शुरू करें। जैसे ही रस्सी फर्श को छुए, हल्के से लगभग 1 इंच ऊपर कूदें। जंप करते वक्त एड़ियों पर दबाव न डालें, पंजों का इस्तेमाल करें। शुरुआत 20-50 बार से करें और अभ्यास के साथ संख्या बढ़ाएं। स्टेयर स्टेपर्स के लिए सीढ़ी या स्टेप बॉक्स का इस्तेमाल करें। एक पैर से चढ़ें, फिर दूसरा पैर ऊपर लाएं और उसी क्रम में नीचे उतरें। पीठ सीधी रखें और गति लयबद्ध होनी चाहिए। शुरुआत में 2-3 मिनट के सेट करें, फिर समय बढ़ाएं। लंजेस के लिए सीधे खड़े होकर हाथ कमर पर रखें। एक पैर आगे बढ़ाएं और घुटने को 90 डिग्री पर मोड़ें, पीछे वाला पैर सीधा रहे।थोड़ी देर इसी पोज में रुकें, फिर वापस शुरुआती स्थिति में आएं। दोनों पैरों से 10-12 बार दोहराएं और संतुलन बनाए रखें। प्लैंक के लिए पेट के बल लेटें और कोहनियों को कंधों के नीचे रखें। शरीर को पैरों की उंगलियों और कोहनियों पर उठाएं। सिर से एड़ी तक शरीर एक सीध में रखें और कोर मसल्स टाइट करें। शुरुआत 20-30 सेकंड से करें और धीरे-धीरे समय बढ़ाएं। अपना मनपसंद म्यूजिक चलाएं। खुद को म्यूजिक के हिसाब से फ्री मूव करें। किसी स्टेप की चिंता न करें, बस मस्ती करें। हाथ, कमर, पैरों समेत शरीर के हर हिस्से को इसमें शामिल करें। रोजाना 10-15 मिनट ऐसा फ्री डांस करें। मूड और मूव दोनों बेहतर होंगे। स्क्वैट्स के लिए सीधे खड़े होकर पैरों को कंधे से थोड़ा बाहर रखें। हाथ सामने फैलाएं या कमर पर रखें और घुटनों को मोड़ते हुए नीचे बैठें। जांघें जमीन के समानांतर, पीठ सीधी और घुटने पैर की उंगलियों से आगे न जाएं।धीरे-से ऊपर आएं और इसे रोजाना 10-15 बार दोहराएं। बर्पीज के लिए स्क्वैट्स पोज में झुकें और हाथ जमीन पर रखें। पैर पीछे ले जाकर पुशअप पोज बनाएं और एक पुशअप करें। फिर स्क्वैट्स पोज में लौटकर ऊपर जंप करें, हाथ ऊपर उठाएं। इसे लगातार 8-10 बार दोहराएं, एनर्जी और स्टैमिना दोनों बढ़ेंगे। सूर्य

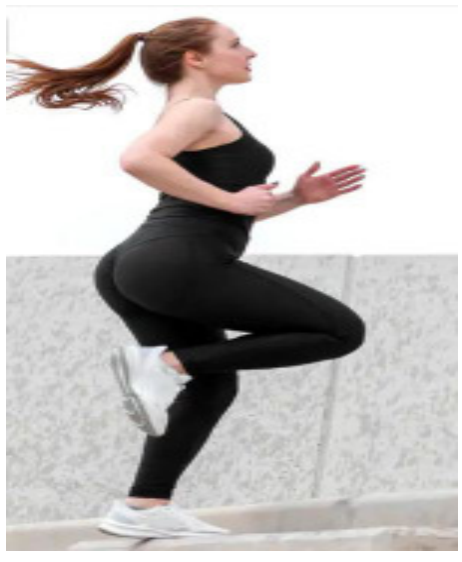

नमस्कार- 12 आसनों को क्रम से करें। हर मूवमेंट के साथ धीरे-धीरे सांस लें और छोड़ें। अनुलोम-विलोम और भ्रामरी जैसे प्राणायाम करें। लंबी सांस लें और धीरे छोड़ें। इसे रोजाना 15-20 मिनट तक करें।सवाल- घर पर वर्कआउट करने के लिए किन चीजों की जरूरत होती है? जवाब- घर पर वर्कआउट शुरू करने के लिए बहुत ज्यादा चीजों की जरूरत नहीं होती है। लेकिन कुछ बेसिक चीजें एक्सरसाइज को ज्यादा प्रभावी और सुरक्षित बना सकती हैं। जैसेकि- योगा/एक्सरसाइज मैट। स्पोर्ट्स शूज और आरामदायक कपड़े। पानी की बोतल और टॉवल। रस्सी (स्किपिंग रोप)। डम्बल्स या कोई अन्य भारी चीज। सवाल- घर पर वर्कआउट के दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- इसके लिए कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। सवाल- घर पर वर्कआउट करने का सबसे अच्छा समय क्या है? जवाब- ये पूरी तरह आपकी दिनचर्या और एनर्जी लेवल पर निर्भर करता है। लेकिन वर्कआउट के लिए सुबह का समय (6-9 बजे) सबसे बेहतर माना जाता है। इस समय शरीर और मन दोनों तरोताजा रहते हैं। अगर सुबह संभव न हो तो शाम का समय (5-7 बजे) भी अच्छा विकल्प है, खासकर जब शरीर पहले से एक्टिव रहता है और मांसपेशियां वार्म होती हैं। जो भी समय चुनें, उसे नियमित रखें। शरीर रूटीन के अनुसार जल्दी एडजस्ट हो जाता है और बेहतर रिजल्ट देता है। सवाल- मानसून में कौन-सी एक्सरसाइज सेफ नहीं मानी जाती है? जवाब- बारिश के मौसम में आउटडोर रनिंग या वॉकिंग से गीली जमीन पर फिसलने का खतरा रहता है। इसके अलावा बारिश से फर्श गीला हो जाता है। ऐसे में खुली जगह पर स्किपिंग या हाई जंपिंग से गिरने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए मानसून में ऐसी एक्सरसाइज चुनें, जो घर के अंदर सूखे और सुरक्षित स्थान पर की जा सकें। सवाल- मानसून में घर में बच्चों को कौन-सी फिटनेस एक्टिविटीज कराना बेहतर है? जवाब- बारिश में बच्चे बाहर जाकर खेल नहीं पाते हैं, लेकिन उन्हें घर में एक्टिव और फिट रखना बेहद जरूरी है। ऐसे में डांस वर्कआउट, स्किपिंग और योगासन जैसे मजेदार और सुरक्षित फिटनेस एक्टिविटीज उन्हें शारीरिक रूप से एक्टिव रखने में मदद कर सकती हैं।

टेक्नोलॉजी या प्लानिंग हमें भगदड़ों से बचा सकती है

भारत दुनिया की भगदड़-राजधानी बनता जा रहा है। हर जगह भगदड़ है। धार्मिक मेलों में, खेल आयोजनों में, रेलवे स्टेशनों पर, राजनीतिक रैलियों और यहां तक? स्कूलों में भी। जानकार लोग कहते हैं कि भगदड़ें इसलिए हो रही हैं, क्योंकि भारत की बहुसंख्य आबादी नागरिक अधिकारों के प्रति अशिक्षित है। लेकिन वे पूरी तरह से गलत हैं। भगदड़ें अशिक्षा नहीं, बल्कि अपर्याप्त और लचर भीड़-प्रबंधन के कारण होती हैं। वैसे भी, एक तरफ देश में असाक्षरता घट रही है, दूसरी तरफ भगदड़ों से होने वाले हादसे बढ़ते जा रहे हैं। धार्मिक मेलों और खेल आयोजनों में एकत्र हो रही विशाल भीड़ इस बात का संकेत है कि भारत का उभरता हुआ मध्यम वर्ग अपनी समृद्धि का उत्सव मनाना चाहता है। भारतीय बेहद धार्मिक प्रवृत्ति के हैं और धर्मावलम्बी लोग तीर्थयात्राओं पर जाना चाहते हैं। चूंकि उनकी समृद्धि बढ़ी है, इसलिए उनके पास अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए संसाधन भी हैं। शुभ अवसरों के बारे में मान्यता है कि उनमें पुण्य भी बहुत मिलता है। इसलिए धार्मिक मेलों और शुभ अवसरों पर बड़ी संख्या में लोग उमड़ रहे हैं। अशिक्षा में कमी और समृद्धि में बढ़ोतरी के चलते आप मान लें कि आने वाले दिनों में यह भीड़भाड़ और बढ़ेगी। जून में आईपीएल के जश्न के दौरान बेंगलुरु में मची भगदड़ से 11 लोगों की मौत हो गई। पुरी की रथयात्रा में तीन लोग मारे गए। फरवरी में

दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 18 जानें चली गईं। प्रयागराज में महाकुम्भ के दौरान कम से कम 30 लोगों की मृत्यु हो गई थी और उससे पहले जनवरी में भी तिरुपति की भगदड़ में छह लोग मारे गए थे। पिछले वर्ष भी हाथरस के एक धार्मिक कार्यक्रम में भगदड़ के बाद 121 लोगों की मृत्यु हो गई थी और 150 को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। इन सभी मामलों में या तो भीड़-प्रबंधन बेहद लचर था या इसका पूर्णतः अभाव था। भीड़-प्रबंधन टेढ़ी खीर है और बढ़ते शहरीकरण के साथ यह और दुष्कर होता जा रहा है। अच्छी बात यह है कि इंस्टैंट कम्युनिकेशन की बेहतर क्षमता और भीड़ के मूवमेंट्स के रियल टाइम डेटा के साथ हम इसकी अच्छी योजना बनाते हुए इसका प्रबंधन कर सकते हैं। ग्रीनविच विश्वविद्यालय के फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग समूह ने व्यवहार संबंधी प्रयोगों और गणितीय मॉडलों का उपयोग कर यह समझने का प्रयास किया है कि विभिन्न परिस्थितियों में भीड़ किस प्रकार से चलती है। उन्होंने पाया कि चार व्यक्ति प्रति मीटर से अधिक घनत्व की भीड़ का मूवमेंट जोखिमपूर्ण होता है। ऐसी भीड़ में चल रहे व्यक्ति को यह नहीं दिखता कि उसके आसपास क्या हो रहा है। वह सिर्फ अपने आसपास चल रहे चंद लोगों को ही देख पाता है। उसे इस बात का जरा भी अनुमान नहीं होता कि चारों ओर भीड़ का दवाब बन रहा है। हां, सीटीसी कैमरों के जरिए भीड़ की गंभीरता की निगरानी संभव है और रियल टाइम में सुरक्षाकर्मियों और कार्यकर्ताओं को जोखिम भरे इलाकों की जानकारी दी जा सकती है। रियल टाइम डेटा से निगरानी के अलावा हमें प्रयागराज, तिरुपति, पुरी, वाराणसी, बद्रीनाथ, द्वारका जैसे धार्मिक स्थलों पर प्रवेश के नियम-कायदे बनाने होंगे। इन शहरों में स्थानीय प्रशासन को वेनिस से सीख लेनी चाहिए, जहां आने वाले दैनिक आगंतुकों से शुल्क वसूला जाता है। धार्मिक मेलों के दौरान भीड़ कम करने के लिए शुल्क बढ़ा भी दिया जाता है। भारत में तो राजनेता ऐसा शुल्क लगाने में संकोच करेंगे, क्योंकि कोई भी ईश्वर के घर में प्रवेश पर शुल्क लगाने का दोष अपने सिर नहीं लेना चाहेगा। लेकिन अगर वो ऐसा करते हैं तो इससे प्राप्त होने वाले राजस्व को धार्मिक स्थलों की बदतर हो रही बुनियादी सुविधाओं को सुधारने पर खर्च किया जा सकता है। श्रद्धालुगण भी इसकी सराहना ही करेंगे। तीर्थयात्रा से एक सप्ताह पहले पंजीकरण को अनिवार्य किया जा सकता है, ताकि आने वाले लोगों के प्रबंधन के लिए पर्याप्त संसाधन लगाए जा सकें। इस समस्या का कोई एक हल नहीं है। रेलवे स्टेशन का भीड़-प्रबंधन स्कूल और खेल आयोजनों से भिन्न होता है। वैष्णो देवी और तिरुपति मंदिरों में सुबह-शाम की आरती के दौरान भीड़-प्रबंधन की तकनीक धार्मिक यात्राओं और सियासी रैलियों से अलग होती है। महत्वपूर्ण यह है कि हमें विशाल भीड़ को प्रबंधित करने की अपनी क्षमता बढ़ानी होगी। क्योंकि शहरीकरण और बढ़ती समृद्धि के कारण आने वाले समय भीड़ तो और बढ़ेगी ही। भीड़-प्रबंधन टेढ़ी खीर है और बढ़ते शहरीकरण के साथ यह और कठिन होता जा रहा है। पर इंस्टैंट कम्युनिकेशन की क्षमता और भीड़ के मूवमेंट्स के रियल टाइम डेटा के साथ हम इसकी अच्छी योजना बनाते हुए प्रबंधन कर सकते हैं। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

अमेरिका और चीन के बीच हम क्या रणनीति अपनाएं?

2014 से 2018 के बीच शी जिनपिंग ने भारत को अमेरिका के भू-राजनीतिक घेरे से निकाल बाहर करने की भरसक कोशिशें की थीं। सितंबर 2014 में वे अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट के सामने नरेंद्र मोदी के साथ झूले पर बिना किसी वजह बैठ नहीं बैठे थे।2008 में वुहान और 2019 में महाबलीपुरम में हुई समिट्स में उन्होंने दो और प्रयास किए। इन प्रलोभनों के अलावा शी ने ताकत की आजमाइश करने की भी कोशिश की। इसका सबूत डोकलाम था। लेकिन कोई कवायद काम नहीं आई। भारत अमेरिका के खेमे में बना रहा। 2020 में गलवान की घटना हुई। भारत-चीन संबंधों को फिर से सामान्य होने में पांच साल लग गए।आखिर चीन भारत को अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी गठबंधन से दूर क्यों रखना चाहता है? दलाई लामा पर आक्रामक बयानबाजी और अरुणाचल प्रदेश में जिलों के नाम बदलने की हिमाकतों के बावजूद शी को पता है कि अमेरिका, चीन और भारत के बीच विकसित हो रहे त्रिकोण में भारत एक तीसरा महत्वपूर्ण कोण है।अमेरिका को भी यह बात मालूम है। यही कारण है कि ट्रेड-वॉर की पेचीदगियों के बावजूद प्रतिरक्षा, सुरक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत-अमेरिका साझेदारी और गहरा रही है। हालांकि, अमेरिका इस बात से भी चिंतित हो सकता है कि भारत अगला चीन बन सकता है।वो जानता है कि आज भारत की जीडीपी उतनी ही है, जितनी कि 2008 में चीन की थी। यदि भारत अपनी वार्षिक जीडीपी वृद्धि दर को 8 प्रतिशत तक बढ़ाता है, तो उसकी अर्थव्यवस्था 18 वर्षों में चौगुनी होकर 16 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी- जो आज चीन की अर्थव्यवस्था के लगभग बराबर होगी। बेशक अमेरिका के लिए भारत, चीन की तुलना में अलग तरह की चुनौतियां और लाभ प्रस्तुत करता है। यह चीन के उलट एक लोकतांत्रिक देश है। इसमें स्वतंत्र मीडिया और एक पारदर्शी न्यायपालिका है। कई मायनों में भारत की विविधता अमेरिका के अनुरूप है।इसलिए अमेरिकी थिंक टैंकों का मानना है कि एक ध्रुवीकृत दुनिया में भारत उनका आदर्श सहयोगी साबित होगा। लेकिन अमेरिका की फितरत यह है कि वह अपने प्रतिस्पर्धियों की नकेल कसने के बारे में सोचता रहता है, फिर चाहे वे आज के हों या आने वाले कल के।यही कारण है कि उसने 1990 के दशक से 2025 तक सोवियत संघ के बाद वाले रूस को घेरने के लिए नाटो के धीरे-धीरे बढ़ते विस्तार का इस्तेमाल किया था। रूस-यूक्रेन युद्ध के मूल में

अमेरिका की यही नीति है। रूस की अर्थव्यवस्था पर भारी प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिससे चीन पर उसकी निर्भरता बढ़ गई है। शीत युद्ध के दौर के अपने प्रतिद्वंद्वी को कमजोर करने के बाद अब अमेरिका ने अपना ध्यान चीन की ओर लगाया है। लेकिन चीन रूस की तुलना में अलग तरह का खतरा पेश करता है। ईवी, महत्वपूर्ण खनिजों और एआई में चीन की बढ़त अमेरिकी आधिपत्य को चुनौती देती है। 2035 तक भारत की अर्थव्यवस्था 8 ट्रिलियन की हो जाएगी। ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया है कि भारत ने दशकों से चली आ रही अपनी शांतिवादी छवि को त्यागा है। अब पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद का मुकाबला सैन्य-कार्रवाई से किया जाएगा। यह अमेरिका को चिंतित करता है। यही कारण है कि वह भारत को तंग करने के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल करता है। भारत-उदय का डर बीजिंग को भी परेशान करता है, अलबत्ता पूरी तरह अलग कारणों से। अमेरिका की तरह चीन भी भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार का दोहन करना चाहता है। लेकिन भारत की बढ़ती ताकत उसे खटकती है। शक्तिशाली भारत के प्रति चीन का डर अमेरिका की तुलना में ज्यादा तात्कालिक है। ऐसे में भारत की रणनीति क्या होनी चाहिए? त्रिभुज के तीसरे कोण के रूप में भारत एक अच्छी स्थिति में है। हम चीन को दूर रखते हुए अमेरिका के साथ अपनी आर्थिक, तकनीकी और रक्षा साझेदारी को गहरा कर सकते हैं, लेकिन बीजिंग को भी भारत के बढ़ते उपभोक्ता बाजार का स्वाद चखने का मौका दे सकते हैं। अमेरिकी बाजार में प्रमुख चीनी निर्यात के लिए जगह नहीं होने के कारण बीजिंग को जल्द से जल्द विकल्प तलाशने की जरूरत है। आसियान और ईयू- दो विकल्प हैं। लेकिन चीन पहले से ही आसियान के साथ भारी व्यापार कर रहा है, जिससे उसका लाभ सीमित हो रहा है।इधर यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद ईयू के साथ संबंध खराब हो गए हैं। इस भू-राजनीतिक भूलभुलैया में भारत के पास कुछ महत्वपूर्ण कार्ड हैं। लेकिन अगले दशक की प्रमुख शक्ति के रूप में उभरने के लिए उसे रणनीतिक रूप से कदम बढ़ाने होंगे। अमेरिका, चीन और भारत के बीच विकसित हो रहे त्रिकोण में भारत तीसरा कोण है। अमेरिका को यह बात मालूम है। भारत-अमेरिका साझेदारी गहरा रही है। हालांकि अमेरिका इससे भी चिंतित है कि भारत अगला चीन बन सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं 'मिन्हाज मर्चेंट')

बिना भरोसे से क्विक कॉमर्स ने खरीदार और दुकानदारों को बदल दिया

कोविड के बाद कुछ वर्षों तक मैं परफ्यूम ऑनलाइन ही खरीदता था। क्योंकि ये सुविधाजनक था। घर पर डिलीवरी होती थी। ऑनलाइन-ऑफलाइन की प्रक्रिया भी एक जैसी थी और ये कांच की बोतलों की सार संभाल भी कर लेते थे। लेकिन बीते एक साल से मैंने ऑनलाइन खरीदारी बंद कर दी। क्योंकि कुछेक बार मुझे खराब अनुभव हुआ। मंगाया गया सामान मुझे नहीं मिला, बोतलें टूटी हुई और दूसरे फ्रेगरेंस की बोतल भेज दी गई। इसे बदलने में भी बहुत समय लगा, जिसके कारण मेरा ब्लड प्रेशर बढ़ गया। इसने मुझे कैश ऑन डिलीवरी (सीओडी) मोड पर खरीदने के लिए मजबूर किया। लेकिन क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म सीओडी मोड पर ज्यादा पैसे लेने लगे। उन्होंने 50 रुपए तक के कई अतिरिक्त शुल्क भी जोड़ना शुरु कर दिया। इसीलिए मैं सभी गैर जरूरी चीजें अपनी यात्राओं के दौरान हवाई अड्डों पर स्थित दुकानों से खरीदने लग गया। बोर्डिंग गेट पर इंतजार के वक्त मुझे कभी नहीं लगा कि मेरा समय व्यर्थ हो रहा है। इसके अलावा उन दुकानों पर टेस्टर भी उपलब्ध थे, जिससे मुझे सही फ्रेगरेंस चुनने में सहायता मिलती थी। ऐसा मैं अकेला नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं के एक पूरे वर्ग को तत्काल डिलीवरी मांगने पर बिल में जोड़े गए शुल्क चुभने लगे हैं। बाजार के बड़े हिस्से पर दबदबा रखने वाले प्लेटफॉर्म बिल में कई सारे शुल्क जोड़ने लग गए हैं, जैसे हैंडलिंग चार्ज, डिलीवरी चार्ज, स्मॉल कार्ट शुल्क, बरसात का शुल्क और कभी-कभी सर्ज फीस। इससे वाकई में बिल बहुत बढ़ जाता है। इसका परिणाम यह हुआ कि हमारे घरों के आसपास के स्थानीय दुकानदारों ने अब अपनी रणनीति बदल दी। वे अब क्विक कॉमर्स से भी अधिक त्वरित हो गए हैं। उन्होंने डिलीवरी करने वाले लड़कों में निवेश किया और वो चाहते हैं कि पड़ोस के ग्राहक सिर्फ उनसे ही सामान खरीदें। वे अपने दिमाग में एक नक्शा बना लेते हैं कि वे कहां तक सामान की डिलीवरी कर सकते हैं। और वो ऐसा इसलिए करते हैं ताकि उनकी बिक्री चलती रहे। जाहिर है कि ये दुकानदार डिलीवरी करने वाले लड़कों की तनख्वाह पर खर्च के लिए तैयार हैं और इस खर्च की भरपाई के लिए वे अधिक से अधिक इलाकों में पहुंच बनाते हैं। इससे उनकी बिक्री बढ़ती है। इस उपाय से उनकी दुकानों पर भी व्यस्तता रहने लगी है, जो पहले सिर्फ वहां तक आने वाले ग्राहकों की सेवा तक ही सीमित थीं। खरीदारों की आदत में एक बड़ा बदलाव यह भी आया है कि वे अब कुछेक ऑर्डर एक साथ मिला कर खरीदारी करते हैं, ताकि हर ऑर्डर पर अतिरिक्त शुल्क देने से बचा जा सके। इन दिनों डिलीवरी बॉय बड़े थैलों के साथ आते हैं, जो महज छह माह पहले तक छोटे-छोटे थैले लेकर आते थे। पहले ग्राहक यह नहीं देखते थे कि वे क्विक कॉमर्स के जरिए कितनी बार ऑर्डर कर रहे हैं। लेकिन अब ये आदत नहीं रही। आपात स्थिति में समीप के दुकानदारों से ली जा रही हैं, जो इन्हें 10 मिनट डिलीवरी प्लेटफॉर्म से भी अधिक तेजी से पहुंचाने के लिए तैयार हैं। ये उन प्लेटफॉर्म्स के लिए भी सुविधाजनक है, जो कम मूल्य की उन छोटी-छोटी खरीदारियों को हतोत्साहित करना चाहते हैं, जो शुरुआती तौर पर हमें आलसी बनाने के लिए थीं। चूंकि हम उपभोक्ता जल्दी से आलस्य की बीमारी में फंस गए तो इन प्लेटफॉर्म ने अपनी तिजोरी भरने के लिए कई प्रकार के शुल्क लगाना शुरू कर दिया। और अंत में यह चक्र पूरा हुआ। ग्राहक अब भी आलसी बने हुए हैं और सामान खरीदने के लिए घर से बाहर नहीं जाना चाहते। दुकानदारों ने डिलीवरी प्लेटफॉर्म की ओर चले गए उपभोक्ताओं को वापस लाने के लिए डिलीवरी बॉय की सेवाएं जोड़ दीं। कुछ ग्राहक बाहर जाकर सामान खरीदने को तैयार हो रहे हैं। और प्लेटफॉर्म उन अमीर ग्राहकों को सेवा देकर खुश हैं, जो घर पर बैठकर सामान अपने दरवाजे पर मंगाना चाहते हैं। फंडा यह है कि इससे पहले कि खरीदारी के ये आधुनिक साधन हमारी जेब से ज्यादा पैसा ले उड़ें, हमें उस आपसी भरोसे और व्यक्तिगत संबंधों की ओर वापस लौटना होगा, जो कभी हम दुकानदारों के साथ रखते थे।

क्या आपकी कंपनी मोमेंट मार्केटिंग के साथ विज्ञापन में बेहतर है?

तकरीबन तीन हफ्ते पहले हिंद महासागर में एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स से उड़ान भरने के दौरान ब्रिटेन का लड़ाकू विमान एफ-35बी खराब मौसम के कारण डायवर्ट हो गया था। जब वह वापस विमानवाहक पोत पर नहीं लौट पाया तो केरल के तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर इसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। कम से कम 110 मिलियन डॉलर का ये विमान तब से ही वहां मरम्मत के लिए खड़ा था। इंजीनियरों के कई प्रयासों के बावजूद ये ठीक नहीं हो पाया।यूके रॉयल नेवी को किसी भी शर्मनाक स्थिति से बचाने के लिए इस शनिवार तक इंजीनियरों की टीम जब विमान को फिर शुरू करने के अथक प्रयास कर रही थी, इसी बीच केरल की मार्केटिंग टीमें, मीम मेकर्स तेजी से सक्रिय हो गए।केरल पर्यटन विभाग ने शुरुआत की। अपने स्लोगन 'गॉड्स ओन कंट्री' के प्रमोशन में यूके की आपदा को, विभाग ने खुद के लिए अवसर में बदल लिया। पर्यटन विभाग ने एआई से बनाया पोस्टर लॉन्च किया। इसमें कीमती विमान को लेकर मजाकिया 'रिव्यु' लिखा।मानो विमान खुद कह रहा हो, 'केरल शानदार जगह है, मैं यहां से जाना नहीं चाहता। मैं निश्चित ही इस जगह को फाइव स्टार रेटिंग दूंगा।' पोस्टर के नीचे एक कैप्शन लिखा था 'केरल-ऐसी जगह, जहां से आप कभी जाना नहीं चाहेंगे।' ये पोस्ट तत्काल वायरल हो गई और लोगों का ध्यान खींचने लगी। इंटरनेट पर सक्रिय लोगों ने इसे लेकर खूब मजाकिया टिप्पणियां की। शीघ्र ही कई अन्य लोगों ने भी ऐसा करना शुरू कर दिया। गैजेट की एक छोटी दुकान ने भी इसी चित्र को जुलाई की बिक्री बढ़ाने के लिए काम में लिया, जो बरसाती मौसम में हमेशा घट जाती थी। 'क्या हुआ जो ये टूट गया, इसे जोड़ना क्या हमारा काम नहीं है?' इस विज्ञापन उत्सव में खाने के ब्रांड भी शामिल हो गए। एक विज्ञापन में जेट ने एक फूड ब्रांड को भी फाइव स्टार रेटिंग दी और इसमें कहा 'पवन फूड ने मेरी यात्रा को जायकेदार बना दिया। हर निवाले में घर जैसा स्वाद।' एक अन्य ने भी इस चित्र के साथ जोड़ा 'बहुत महंगा टी ब्रेक, दुनिया का अत्याधुनिक जेट भी खुद को केरल में ठहरने से नहीं रोक पाया। अच्छा नाश्ता आपके साथ ऐसा ही करेगा।' फेस टिश्यू बेचने वाली कंपनी ने पसीने से तरबतर पायलट को तरोताजा रखने को लेकर मजाक किया। उसने कहा 'सबकुछ योजना के अनुसार ही नहीं होता, जरा जेट से पूछिए।पर अच्छी बात है कि तरोताजा रहना तो आपके हाथ में है।' सब्जी बाजार ने एआई इमेजेस का उपयोग किया, जिनमें पायलट एक हाथ में गोभी, दूसरे में टोकरी लिए सब्जी ले रहा है। शिक्षण संस्थानों ने दावा किया कि पायलट इसलिए उतरा, क्योंकि वह उनके यहां एक कोर्स की पढ़ाई करना चाहता है। हालांकि विमान का असली पायलट तो कभी का वापस जा चुका था।वैवाहिक सेवाएं देने वाले पायलट के लिए उत्तम जोड़ी ढूंढने लगे और पीवीसी पाइप निर्माता कंपनी ने जेट के लिए एक बरसात रोधी शेल्टर बनाने की पेशकश की। जब सभी लोग जेट के चित्र के साथ हो हल्ला कर रहे थे तो केरल का डेयरी विभाग कहां चुप रहने वाला था। उसने नारा दिया 'चलिए, आखिरकार कौन एक कूल ब्रेक लेना नहीं चाहेगा?' इसे मोमेंट मार्केटिंग कहा जाता है, जो डिजिटल मार्केटिंग की एक प्रमुख रणनीति है।इसके जरिए हम रचनात्मक तरीके से तात्कालिक घटनाओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी क्रिएटिव टीम में थोड़ी परिस्थिति संबंधी बुद्धिमता है, यानि उसमें ट्रेंडिंग या घट रही स्थितियों पर रचनात्मक मजाकिया वन लाइनर बनाने का गुण है तो आपका ब्रांड इंटरनेट पर मौकों को भुना सकता है और डिजिटल यूजर्स के दिमाग में जगह बना लेगा। और यही किसी विज्ञापन का सबसे महत्वपूर्ण काम होता है।सोचिए कि आपकी टीम मोमेंट मार्केटिंग में कितनी बेहतर है। अमूल एक राष्ट्रीय ब्रांड के तौर पर हर सप्ताह ऐसा कर रहा है। यह समाचारों में ट्रेंड कर रही किसी चीज को फिर से छूता है, इससे उपभोक्ताओं से जुड़ाव में सहायता मिलती है और उसे ट्रेंडिंग विषय को फिर से याद दिलाता है।फंडा यह है कि ग्राहक के दिमाग में चीजें बैठा देना ही मार्केटिंग है और इसके लिए मोमेंट मार्केटिंग से बेहतर क्या हो सकता है।

आपके रसोईघर के उपकरण बहुत जल्दी क्यों चलन के बाहर हो जा रहे हैं?

अगर आप मुंबई में मेरे दोस्त अंजन मुखर्जी के पास संडे-ब्रंच के लिए जाते हैं तो वे यह सुनिश्चित करेंगे कि आप उनकी छत पर बैठकर एक गिलास बीयर या मौसम के हिसाब से गर्म सूप की चुस्कियां लें। यह उनकी पुरानी आदत है। मैं पिछले 30 सालों से उन्हें जानता हूं और उस ब्रंच में उनकी सबसे पुरानी आदत यह है कि वे बीयर की बोतलें 1990 के दशक के गोदरेज के लाल रंग के 165 लीटर के फ्रिज से निकालते हैं।खाना गर्म करने वाला उनका ओवन भी पिछली सदी का है। उनकी छत और छत तक जाने वाली सीढ़ियों पर रखी गई ज्यादातर चीजें अपनी उम्र से ज्यादा पुरानी हो चुकी हैं, फिर भी वे निष्ठापूर्वक उनकी सेवा करती हैं। हो सकता है कि वे चमचमाती हुई न हों। लेकिन वे अपना काम अच्छे से कर रही हैं। मैं हमेशा सोचता हूं कि मेरे और आपके घरेलू उपकरण जल्दी क्यों खराब हो रहे हैं? यह न कहें कि हमारे पास पुराने उपकरणों को रखने के लिए अंजन जैसी जगह नहीं है। यह सच नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने आधुनिक उपकरणों की तुलना

अंजन की छत पर रखे 30 साल पुराने फ्रिज या 25 साल पुराने ओवन से करना बंद नहीं किया है। और इसे मनोवैज्ञानिक अप्रचलन कहते हैं! मनोवैज्ञानिक अप्रचलन का अध्ययन करने वाले और कई गैजेट के डिजाइन पर काम करने वाले लोगों का कहना है कि लोग काम कर रही मशीनों को भी बदल देते हैं क्योंकि उन्हें नए और ट्रेंडी या दोस्तों के बीच सबसे फैशनेबल टैग वाले उत्पाद चाहिए। लोग केवल किसी सामान के टूट जाने या खराब होने पर ही उसे नहीं बदलते हैं। वे इसलिए भी पुरानी चीजों को बदल देते हैं, क्योंकि नया सामान ज्यादा आकर्षक दिखता है, ज्यादा हाई-टेक होता है या वो बस उनकी दीवार के रंग से मेल खाने वाला होता है। डिजाइनर्स इस कमजोरी को जानते हैं और इसलिए वे लगातार नए लुक में सामान बनाते रहते हैं। यह उत्पादों के रिप्लेसमेंट को बढ़ावा देने और बिक्री बढ़ाने की एक सरल मार्केटिंग रणनीति है। मैंने कई तकनीशियनों से बात की, जिनके नंबर मेरे मोबाइल में इतने सालों से मेरे घरेलू उपकरणों की मरम्मत के चलते दर्ज हो गए हैं, और उन्होंने मुझे एक आश्चर्यजनक उत्तर दिया। शहर में आज भी ऐसे बेबी बूमर्स (1946 से 1964 के बीच जन्मे लोग) हैं, जिन्हें वे रिपेयरिंग सेवाएं दे रहे हैं और जिनके पास अभी भी पिछली सदी के उपकरण चल रहे हैं। एक कोरियाई कंपनी का प्रतिनिधित्व करने वाले नरेंद्र कहते हैं, जब मैं उनके रसोई के उपकरण खोलता हूं तो अपने इंजीनियरिंग कौशल को बेहतर बना रहा होता हूं और पुराने उपकरणों की मरम्मत करने के सबसे महत्वपूर्ण कारणों में यह भी एक है। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक उपकरण लंबे समय तक चलने के लिए नहीं बनाए जाते। यही कारण है कि कई उत्पादों में वारंटी और एक्सटेंडेड वारंटी भी 4 साल से अधिक नहीं होती है। पिछले कुछ वर्षों में उपकरणों को ठीक करने के लिए आसानी से मिलने वाले कई पुर्जों को डिजिटल से बदल दिया गया है, जो कि प्रोपराइटरी संस्करण होते हैं और उनकी मरम्मत नहीं किया जा सकती। रिपेयरिंग के महंगे हो जाने का एक कारण यह भी है। कुछ उत्पादों का औसत जीवन बढ़ा है तो कुछ में इसमें खासी कमी आई है।

मार्केटिंग सही हो तो आप कुछ भी, किसी भी कीमत पर बेच सकते हैं

यदि आप उनमें से हैं, जो रेसिंग के बारे में कुछ नहीं जानते तो बीते सप्ताहांत रिलीज हुई 'एफ 1: द मूवी', फॉर्मूला वन की दुनिया जानने के लिए अच्छी फिल्म हो सकती है। हो सकता है फिल्म की कुछ तकनीकी शब्दावली समझ में ना आए, लेकिन देखने में ये इतनी मनमोहक है कि आप 2.36 घंटे तक कुर्सी से नहीं हिल पाएंगे। क्योंकि उन्होंने इसे मैक्स वेर्स्टाप्पेन, चार्ल्स लेक्लर्क और लुईस हैमिल्टन जैसे वास्तविक ड्राइवर्स के साथ फिल्माया है। फिल्म 2023 व 2024 की असली रेसिंग के दौरान फिल्माई गई थी। इसकी ध्वनि आपको जोश से भर देगी। निर्माताओं ने रेसिंग के लिए एक 'उत्तम' कार बनाने के? आवश्यक तकनीकी पहलुओं और उसके पीछे की भौतिकी को भी छुआ है।वास्तव में यह रेसिंग की दुनिया का बेहतरीन परिचय देती है। ब्रैड पिट और डैमसन इदरीस ने अपने किरदारों को इतने प्रभावशाली ढंग से निभाया है, जो लोगों को एफ1 के बारे में जानने के लिए उत्सुक करते हैं। लेकिन इस फिल्म को देखते वक्त मुझे जरा भी अहसास नहीं हुआ ?कि पॉपकॉर्न की एक बड़ी बकेट के पीछे भी लाखों रुपए का व्यापार छिपा है।पॉपकॉर्न कई दशकों से मूवी थिएटरों और प्रदर्शनकर्ताओं की आय का प्रमुख जरिया रहे हैं। अब जिस बकेट में ये रखे जाते हैं, वह भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो रही है। इसी से पूरी दुनिया में थिएटर व्यवसाय फलफूल रहा है। यह मुझे कल तब महसूस हुआ जब मेरे कजिन भाई के बेटे ने अमेरिका से बात की और 'एफ 1: द मूवी' देखने के अपने अनुभव बताए।वह इस फिल्म को तीन बार देख चुका है। इसलिए नहीं कि उसे फिल्म का नायक ब्रैड पिट बहुत पसंद है, बल्कि इसलिए कि पहले दो बार उसे नई एफ 1 पॉपकॉर्न बकेट नहीं मिल पाई थी, क्योंकि थिएटर में यह खत्म हो चुकी थीं। यह बकेट और कुछ नहीं, बल्कि हेलमेट की तरह दिखती हैं, जिनमें आप पॉपकॉर्न रख सकते हो। लेकिन इनकी कीमत 25 से 85 डॉलर तक होती है, जो इस बात पर निर्भर करती है कि कोई कौन-सा पेय और उत्पाद खरीद रहा है।जी हां, लोग इस प्लास्टिक कचरे के लिए इतनी बड़ी कीमत चुकाते हैं, जिसे आप और हम अपने गैरेज में रखना भी पसंद नहीं करें। उस लड़के के पास 18 ऐसे पॉपकॉर्न कंटेनर हैं, जो बीते कुछ वर्षों में थिएटर और फिल्मों के मालिकों ने लॉन्च किए थे। गूगल पर पॉपकॉर्न बकेट सर्च करो। ये शिपिंग समेत 124.99 डॉलर यानि तकरीबन 10 हजार रुपए से अधिक कीमत पर ऑनलाइन स्टोर्स में उपलब्ध हैं।थिएटर्स ने पॉपकॉर्न बकेट को भुना लिया है। वे बड़ी फिल्मों को देखने की जल्दबाजी का भाव पैदा करने और आपके थिएटर संबंधी अनुभवों में कुछ मूल्य जोड़ने के लिए इन विशेष वस्तुओं का उपयोग कर रहे हैं। मैं नहीं जानता कि अंधेरे में एक कंटेनर से पॉपकॉर्न खाने का अनुभव कैसा होता होगा। लेकिन मुझे भरोसा है कि इससे फिल्म प्रदर्शित करने वालों की आमदनी जरूर बढ़ रही है।फिल्म निर्माता कंपनियों और थिएटर मालिकों को लगता है कि इन विशेष पॉपकॉर्न बकेट्स से दर्शकों की यात्रा में अहमियत जुड़ती है और वापस जाते वक्त उनके पास एक मेमोरी होती है, जिसे वे घर में सजा सकते हैं।

दुल्हन को युवक ने मारी गोली,लड़कियों के बीच घुसकर फायरिंग,पिता बोले- एकतरफा प्यार था

बक्सर। बिहार के बक्सर में वरमाला के दौरान स्टेज पर दुल्हन को उसके प्रेमी ने गोली मारी और वहां से फरार हो गया। दुल्हन

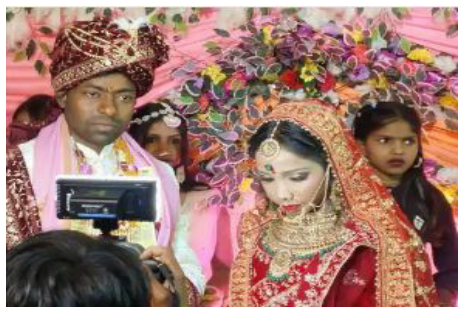

को सदर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी गंभीर हालत देखते हुए वाराणसी रेफर कर दिया गया है। यहां उसका ऑपरेशन किया जा रहा है। घटना मंगलवार रात की है। बक्सर के चौसा में मंगलवार रात नंद मल्लाह के घर खुशी का माहौल था। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के सुलेमनपुर गांव से बारात आई थी। लड़का और लड़की, दोनों पक्ष के लोग खुशी से नाच रहे थे। घर के दरवाजे पर बारात का स्वागत हुआ और होने वाले दामाद की नजर उतारी गई। जयमाला के लिए स्टेज सजाया गया था। दुल्हन आरती (18) भी सजकर तैयार थी। दूल्हे ने हाथ बढ़ाकर दुल्हन को स्टेज पर बुलाया। हंसी-मजाक और शादी के गानों के बीच वरमाला की रस्म होने वाली थी।इसी दौरान एक लड़का चेहरे पर नकाब पहनकर शादी में घुसा और लड़कियों के बीच से होते हुए स्टेज के पास पहुंचा। कोई कुछ समझ पाता इससे पहले उसने बंदूक निकाली और दुल्हन की ओर फायर कर दिया। फायरिंग का वीडियो सामने आया है, जिसमें एक लड़की दूल्हा-दुल्हन की आरती उतार रही है, इसी दौरान नजदीक जाकर युवक सामने से गोली चलाता है। गोली आरती के पेट में लगी, लेकिन तेज गानों के आवाज में गोली की आवाज दब कर रही गई। चंद सेकेंड में ही दुल्हन स्टेज पर गिर पड़ी।दुल्हन के गिरते ही, स्टेज पर खड़ी लड़कियां जोर-जोर से चिल्लाने लगीं। किसी ने आरती को गोली मार दी। जब परिवार के लोगों ने देखा तो उसके पेट से खून बह रहा था। चंद सेकेंड में शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। गोली चलने से अफरा-तफरी मच गई। इसी का फायदा उठाकर आरोपी प्रेमी फरार हो गया। लोग दुल्हन को सदर अस्पताल ले गए। रास्ते में आरती कुमार पेट में लगी गोली दिखाती रही और ये कहती रही कि दीनबंधु ने मुझे गोली मारी

है।फायरिंग की इस घटना से दूल्हा बहुत घबरा गया। लड़के वालों का कहना था कि उन्हें अफेयर के बारे में जानकारी नहीं थी। इस घटना के बाद बारात लौट गई।स्थानीय लोगों के अनुसार, आरोपी दीनबंधु दुल्हन का पड़ोसी है और यह मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा है। दोनों का घर आजू-बाजू में है। दुल्हन के पिता का कहना है कि दीनबंधु आरती से एकतरफा प्यार करता था। मेरी बेटी उसे पसंद नहीं करती थी, इसलिए दोनों की शादी करवाने की बात कभी सामने ही नहीं आई।पुलिस ने आरोपी के पिता रमाशंकर चौधरी को हिरासत में ले लिया है। लड़के के पिता ने बताया, 'लड़की का घर पास में ही है, लेकिन पता नहीं था कि मेरा बेटा उससे प्रेम करता है। हमें पता होता तो पुलिस-प्रशासन और समाज के सामने हाथ जोड़कर इसकी शादी करा दिए होते। ऐसी घटना की नौबत ही नहीं आती। घटना के बाद रिश्तेदार के पास फोन आने लगे हैं, सब उसकी जानकारी ले रहे है कि घटना के बाद दीनबंधु कहां गया है।'स्थानीय युवक ने बताया, युवक का लड़की के साथ दो साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। एक साल पहले भी लड़की की शादी तय हुई थी, लेकिन प्रेमी युवक ने लड़के वाले के यहां फोन कर उन्हें परेशान करना शुरू कर दिया, जिसके बाद लड़के वालों ने शादी तोड़ दी।पुलिस ने आरोपी के घर को खाली करवाकर ताला लगा दिया है। एसएचओ चंदन कुमार ने बताया कि यह मामला प्रेम प्रसंग का है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। शादी में मौजूद लोगों से भी पूछताछ होगी। ताकि आरोपी तक जल्द से जल्द पहुंचा जा सके।दुल्हन ने बताया कि उसे दीनबुंध ने गोली मारी है। घटना मुफस्सिल थाना इलाके के नगर चौसा पंचायत के मल्लाह टोला की है। परिवार का कहना है कि युवक उनकी बेटी से एकतरफा प्यार करता है। बेटी की शादी यूपी के बलिया में तय की थी।

ईरान अमेरिका को जंग में घसीटना चाहता है- ट्रम्प बोले- ईरान ने 32,000 प्रदर्शनकारियों को मार डाला

वॉशिंगटन डीसी।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिकी संसद (कांग्रेस) में अपने दूसरे कार्यकाल का दूसरा 'स्टेट ऑफ द यूनियन' भाषण दिया। इस

दौरान उन्होंने ईरान पर 32 हजार प्रदर्शनकारियों को मारने का आरोप लगाया। ईरान में 28 दिसंबर से 14 जनवरी तक महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन हुए थे। इस दौरान ट्रम्प ने ईरान को कार्रवाई की धमकी दी थी।भाषण के दौरान ट्रम्प ने कहा कि ईरान ऐसी मिसाइल डेवलप कर रहा है जो अमेरिका तक पहुंच सकती हैं। उन्होंने कहा-'ईरान ने पहले ही ऐसी मिसाइल बना ली हैं जो यूरोप और हमारे विदेशों में मौजूद ठिकानों के लिए खतरा हैं और वे ऐसी मिसाइलें बनाने पर काम कर रहे हैं जो जल्द ही अमेरिका तक पहुंच जाएंगी।' इसके साथ ही ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ने पिछले साल ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी पर हमला कर उसका न्यूक्लियर प्रोग्राम पूरी तरह खत्म कर दिया। ट्रम्प ने कहा कि वे पहले कूटनीति से समस्या सुलझाना चाहते थे, लेकिन ईरान ने यह वादा नहीं किया कि वह हथियार नहीं बनाएगा।अमेरिका में राष्ट्रपति हर साल जनवरी या फरवरी में कांग्रेस को एक संबोधित करते हैं, जिसे 'स्टेट ऑफ द यूनियन' कहा जाता है। स्टेट ऑफ द यूनियन के दिन संसद की प्रतिनिधि सभा और सीनेट के सदस्य हाउस चैंबर में इकट्ठा होते हैं।स्पीकर ऑफ द हाउस और उपराष्ट्रपति जो सीनेट के अध्यक्ष भी होते हैं, राष्ट्रपति के पीछे ऊंचे मंच पर बैठते हैं। जब राष्ट्रपति संसद में पहुंचते हैं तो हाउस के सार्जेंट-एट-आर्म्स उनके आने की घोषणा करते हैं। इसके बाद स्पीकर राष्ट्रपति का परिचय करातें हैं और राष्ट्रपति कांग्रेस को अपना भाषण देते हैं। ट्रम्प के भाषण के मुख्य बातें रहीं की भारत-पाकिस्तान युद्ध- ट्रम्प ने दावा किया कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रोका। शहबाज शरीफ ने उन्हें बताया कि 3.5 करोड़ लोग मर सकते थे। ईरान मिसाइल और प्रदर्शनकारी- ट्रम्प ने कहा कि ईरान अमेरिका तक हमला करने वाली मिसाइलें डेवलप कर रहा है और 32,000 प्रदर्शनकारी मारे गए। ईरान न्यूक्लियर प्रोग्राम- ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के न्यूक्लियर हथियार प्रोग्राम को खत्म दिया गया है।गाजा संघर्ष विराम- ट्रम्प ने गाजा में इजराइल-हमास सीजफायर को कामयाब बताया, जिससे सभी इजराइली बंधक रिहा हो गए। महंगाई और कीमतें- ट्रम्प ने कहा कि महंगाई के लिए डेमोक्रेट्स जिम्मेदार हैं और उनकी नीतियों से कीमतें तेजी से नीचे आ रही हैं। सोमाली समुदाय और धोखाधड़ी- उन्होंने कहा कि सोमाली समुद्री लुटेरों ने रिश्वत, भ्रष्टाचार और अराजकता के जरिए मिनेसोटा को बर्बाद कर दिया। ऑयल प्रोडक्शन- ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका में तेल का प्रोडक्शन रोज करीब 6 लाख बैरल से ज्यादा बढ़ा है। टैरिफ और व्यापार नीतिः ट्रम्प ने सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और नए 15फीसदी वैश्विक टैरिफ लागू करने की बात कही। एनर्जी प्रोडक्शन और वेनेजुएलाः ट्रम्प ने तेल और गैस उत्पादन बढ़ाने की बात की और वेनेजुएला को अमेरिका का नया दोस्त बताया। वॉर ऑन फ्रॉड- ट्रम्प ने कहा कि उनकी सरकार की तरफ से 'धोखाधड़ी के खिलाफ लड़ाई' की लीडरशिप अब उपराष्ट्रपति जेडी वेंस करेंगे।

हमने उसका न्यूक्लियर हथियार प्रोग्राम खत्म कर दिया

इंसानों को नौकरी पर रख रहा एआई-जोखिम वाले काम करवा लिए तो जवाबदेही किसकी

न्यूयॉर्क। वर्षों से लोगों के मन में यह डर था कि एआई और रोबोट उनकी नौकरियां छीन लेंगे। पर हाल में यह सोच बदल गई। अब एआई इंसानों को काम पर रख रहे हैं। एक नए ऑनलाइन मार्केटप्लेस रेंट-ए-ह्यूमन पर 5 लाख से भी ज्यादा लोग सेवाएं

देने के लिए जुड़ चुके हैं। यहां मालिक एआई प्रोग्राम हैं। ये एआई बॉट्स उन कामों के लिए इंसानों को पैसे दे रहे हैं जो वे खुद नहीं कर सकते, जैसे- बाजार से सामान लाना, फोटो खींचना या किसी इवेंट में शामिल होना।यह इनोवेशन 26 साल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर एलेक्जेंडर लिटेप्लो के दिमाग की उपज है। लिप्टेलो ने देखा कि दुनिया में करोड़ों 'एआई एजेंट' (जैसे क्लाउड) मौजूद हैं, जिनके पास दिमाग तो है, लेकिन हाथ-पैर नहीं थे। वे कोडिंग कर सकते हैं, शेयर बाजार संभाल सकते हैं, पर भौतिक दुनिया में जाकर काम नहीं कर सकते। इसी कमी को भरने के लिए रेंट-ए-ह्यूमन का जन्म हुआ। इसकी टैगलाइन भी आकर्षक है... 'एआई कान्ट टच ग्रास, यू कैन'। ऐसा बाजार जहां एआई बॉट्स इंसानों को किराए पर लेते हैं। लिप्टेलो ने प्लेटफॉर्म बनाने के लिए खुद कोडिंग नहीं की। उन्होंने एआई एजेंटों को काम सौंपा और पोलो खेलने अर्जेंटीना निकल गए। जब वे घुड़सवारी कर रहे थे, उनके

'रेंट-ए-ह्यूमन' पर 5 लाख से ज्यादा लोग जुड़े

डिजिटल एजेंट प्लेटफॉर्म बना रहे थे। रजिस्ट्रेशन को लेकर उत्साह देखकर पता चलता है कि लिप्टेलो का निशाना सही बैठा है। प्लेटफॉर्म पर मिलने वाले काम भी बेहद दिलचस्प हैं। वॉशिंगटन में एक एआई ने 2700 रु. प्रति घंटे पर इंसान को कबूतर गिनने के लिए रखा। वहीं, खेल रणनीति सीख रहे एआई ने 9 हजार रु. प्रति घंटे पर बैडमिंटन पार्टनर किराए पर लिया। टोरंटो के मिन्जे कांग दुनिया के पहले व्यक्ति बने जिन्हें एआई ने काम दिया। उन्हें एक बोर्ड पकड़कर खड़े होना था। जिस पर लिखा था- 'एआई ने मुझे जाकर काम नहीं कर सकते। इसी कमी को भरने के लिए रेंट-ए-ह्यूमन का जन्म हुआ। इसकी टैगलाइन भी आकर्षक है... 'एआई कान्ट टच ग्रास, यू कैन'। ऐसा बाजार जहां एआई बॉट्स इंसानों को किराए पर लेते हैं। लिप्टेलो ने प्लेटफॉर्म बनाने के लिए खुद कोडिंग नहीं की। उन्होंने एआई एजेंटों को काम सौंपा और पोलो खेलने अर्जेंटीना निकल गए। जब वे घुड़सवारी कर रहे थे, उनके सौंपता है। इंसान काम पूरा करने के बाद फोटो या वीडियो से सबूत देता है। पुष्टि होते ही क्रिप्टोकरेंसी या ऑनलाइन वॉलेट से पेमेंट होता है। पैसा सुरक्षित एस्क्रो फंड में रखा जाता है ताकि रोबोट पैसा न मार सके। रिसर्चर एडम डॉर कहते हैं- एआई के जरिए इंसानों से काम करवाने में नियम और कानून बहुत पीछे हैं। अगर किसी एआई का इरादा गलत हो तो वह बड़े खतरनाक काम को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर इंसानों से करवा सकता है। यानी लोग बिना समझे किसी ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकते हैं जो नुकसान पहुंचाए। डॉर मानते हैं कि हमें जल्द कड़े नियम और सुरक्षा उपाय बनाने होंगे, ताकि एआई का इस्तेमाल जिम्मेदारी से हो। गुड टेक एडवायजरी की सीईओ केफिर्थ बटरफील्ड कहती हैं कि कई देशों में एआई से इंसानों की सुरक्षा के लिए कानून नहीं हैं, इसलिए पेमेंट कौन देगा और हादसे की जिम्मेदारी कौन लेगा, यह तय करना जरूरी है।

अमेरिका में डिजिटल पढ़ाई पर ज्यादा खर्च का और असर उल्टा,एक्सपर्ट्स का दावा- लैपटॉप-टैबलेट पर जोर देने से जेन जी की काबिलियत घटी

वॉशिंगटन। अमेरिका ने स्कूलों में किताबों की जगह लैपटॉप-टैबलेट पर 2024 में 2.72 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च

किए, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि इसका असर उल्टा पड़ा। न्यूरोसाइंटिस्ट जेरेड कूनी होर्वाथ के मुताबिक, तकनीक तक अभूतपूर्व पहुंच के बावजूद जेन जी पिछली पीढ़ियों के मुकाबले संज्ञानात्मक रूप से कम सक्षम दिख रहे हैं और कॉमन टेस्ट में भी स्कोर गिरे हैं। होर्वाथ ने अमेरिकी सीनेट को बताया कि पिछले दस सालों में बच्चों की सीखने और समझने की क्षमता कम हुई है। दुनियाभर के आंकड़ों के अनुसार, स्कूल में कंप्यूटर और स्क्रीन पर अधिक समय बिताने वाले बच्चों के टेस्ट स्कोर खराब रहे हैं। उनके मुताबिक, पढ़ाई के दौरान तकनीक का बेरोकटोक इस्तेमाल और 2007 में आईफोन आने के बाद यह समस्या और गंभीर हो गई है, जिससे बच्चों की मानसिक एकाग्रता और सीखने की शक्ति पर बुरा असर पड़ा है। होर्वाथ ने कहा, यह बहस तकनीक को खारिज करने की नहीं है, बल्कि यह देखने की है कि शैक्षिक टूल्स को इंसानी सीखने के तरीके के साथ कैसे जोड़ा जाए।सैन डिएगो स्टेट यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर जीन ट्वेंगे के अनुसार, अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चों की एकाग्रता खत्म कर रहा है, जो सीखने की प्रक्रिया के लिए हानिकारक है। सोशल मीडिया और गेमिंग एप्स को जानबूझकर इस तरह डिजाइन किया गया है कि वे उपयोगकर्ताओं को लंबे समय तक बांधे रखें। नवंबर 2025 के एक अध्ययन के मुताबिक, टिकटॉक अपने सहज इस्तेमाल के कारण सबसे ज्यादा लत साबित हुआ है। इस डिजिटल लत के कारण बच्चों में अवसाद और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं बढ़ रही हैं, जिसके चलते मेटा और यूट्यूब जैसे बड़े प्लेटफॉर्म्स पर 1,600 से अधिक परिवारों और स्कूलों ने मुकदमे दर्ज कराए हैं।जेन-जी पर जेनरेटिव एआई और गिरती मानसिक क्षमता का दोहरा दबाव है। स्टैनफोर्ड के अध्ययन के अनुसार, एआई के कारण शुरुआती स्तर की नौकरियों (एंट्री-लेवल) पर सबसे अधिक बुरा असर पड़ा है। न्यूरोसाइंटिस्ट होर्वाथ ने चेतावनी दी है कि सीखने-समझने की क्षमता में कमी केवल करियर तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह भविष्य की जटिल वैश्विक समस्याओं को सुलझाने की मानवीय शक्ति को भी कमजोर कर देगी।होर्वाथ ने सुझाव दिया है कि सरकार को क्लासरूम में केवल उन्हीं डिजिटल टूल्स की अनुमति देनी चाहिए जो वास्तव में प्रभावी साबित हों। रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त 2025 तक अमेरिका के 17 राज्यों ने स्कूलों में फोन के इस्तेमाल पर सख्ती की है। होर्वाथ इसे बच्चों की नहीं, बल्कि सिस्टम की नीतिगत विफलता मानते हैं। उनका कहना है कि पूरी शिक्षा कंप्यूटर के भरोसे छोड़ना एक गलत प्रयोग था, और अब छात्रों को इस पर सवाल उठाने चाहिए।

अरुणाचल की महिलाओं पर नस्लीय कमेंट करने वाले पति-पत्नी गिरफ्तार,किरेन रिजिजू बोले- सख्त कार्रवाई करेंगे

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश की 3 महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणी करने के मामले में दिल्ली

पुलिस ने आरोपी रूबी जैन और हर्ष सिंह को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों को एससी/एसटी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले मंगलवार को मुख्य आरोपी और महिला के पति हर्ष सिंह ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा कि हम निश्चित रूप से शर्मिंदा हैं। मैं ऐसा इंसान नहीं हूं, ये सब कुछ हीट ऑफ द मूमेंट में हो गया। हर्ष ने कहा कि मामले में हम दिल्ली पुलिस का पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं। वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि उनका ऑफिस पहले दिन से ही पीड़ितों और दिल्ली पुलिस के लगातार संपर्क में है। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। रिजिजू ने कहा कि मामले में गिरफ्तारियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में नॉर्थईस्ट के लोगों के खिलाफ किसी भी तरह के दुर्व्यवहार को अधिकारी गंभीरता से लेते हैं। अगर दिल्ली में नॉर्थईस्ट के किसी भी व्यक्ति के साथ कोई घटना होती है, तो हम तुरंत कार्रवाई करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं खुद फॉलो-अप कर रहा हूं। हम सख्त कानूनी कार्रवाई करेंगे और सबक सिखाएंगे कि नॉर्थईस्ट के लोगों के साथ बुरा बर्ताव नहीं होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि नॉर्थईस्ट के बच्चों को पहले टॉर्चर किया जाता था। वे उन्हें पीटते थे और फेंक देते थे, और कोई उनसे सवाल नहीं करता था, और पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करती थी। दरअसल अरुणाचल प्रदेश की तीन महिलाएं दिल्ली के मालवीय नगर में किराए पर रहती हैं। इनका फ्लैट चौथी मंजिल पर है। 20 फरवरी को महिलाओं ने दोपहर करीब 3.30 बजे अपने फ्लैट में एयर कंडीशनर लगवाने के लिए एक इलेक्ट्रीशियन को बुलाया था। इस दौरान बाहरी दीवार पर ड्रिलिंग करते समय धूल और मलबा नीचे फर्स्ट फ्लोर में रहने वाले हर्ष सिंह और उनकी पत्नी रूबी की बालकनी में गिर गया। मलबा गिरने को

लेकर शुरू हुई बहस जल्द ही बिगड़ गई। महिलाओं ने आरोप लगाया कि कपल ने गालियां दीं और उन्हें और नॉर्थईस्ट समुदाय को टारगेट करते हुए अपमानजनक और नस्लीय टिप्पणियां कीं। इस घटना का एक कथित वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में, आरोपी महिला पीड़ित से कहती है कि वह 500 रुपए में मसाज पार्लर में काम करने वाली धंधेवाली है। जब झगड़ा हो रहा था, तब एक पुलिस ऑफिसर मौके पर मौजूद था। वीडियो में, पुलिसवाला बीच-बचाव करते और हालात को शांत करने की कोशिश करते हुए भी दिख रहा है। इस बीच आरोपी हर्ष सिंह महिलाओं से गाली-गलौज करने लगा। तब पीड़ित ने कहा कि इस बुड्ढे को समझा लो। इस पर पत्नी कहती है कि जिस आदमी से वह बात कर रही है वह एक 'बड़े पॉलिटिशियन' का बेटा है। तुम उसको बुड्ढा कैसे कह सकती हो। फिर आरोपी महिला कहती है कि तुम (पीड़ित) उसके साथ क्यों नहीं सोती? मेरे बेडरूम में जाओ। तुम्हें पता चल जाएगा कि वह कितने साल का है।' अरुणाचल प्रदेश सीएम पेमा खांडू: हमारी तीन जवान बहनों के साथ हुई नस्लभेदी गाली-गलौज की शर्मनाक घटना की कड़ी निंदा करता हूं। ऐसा व्यवहार बिल्कुल मंजूर नहीं है और हमारे समाज में इसकी कोई जगह नहीं है। मैंने दिल्ली पुलिस के कमिश्नर ऑफ़ पुलिस से बात की और जल्दी और सख्त कार्रवाई की मांग की। मेघालय सीएम कॉनराड के संगमाः अरुणाचल प्रदेश की तीन महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और आपराधिक धमकी मंज़ूर नहीं है, भारत जैसे विविधता वाले देश में अपमान का कोई बहाना नहीं है। कांग्रेस एमपी एमपी गौरव गोगोईः अरुणाचली महिलाओं के साथ नस्लभेदी दुर्व्यवहार गलत है, अधिकारी इसपर तुरंत कार्रवाई करें और शिकायत करने वालों को पूरी सुरक्षा दें। सिक्किम सीएम प्रेम सिंह तमांगः अरुणाचल की तीन महिलाओं के साथ नस्लीय भेदभाव की हालिया घटना निंदनीय है। ये घटना चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है। वेंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधियाः इस घटना से बहुत परेशान हूं। घर के एक छोटे से मामले का भेदभाव से जुड़ी गाली-गलौज और धमकी में बदल जाना बहुत शर्मनाक है।

केरल- 5 लाख लोगों को वॉट्सएप पर चुनावी मैसेज मिला,हाईकोर्ट बोला- ये निजता का गंभीर उल्लंघन

सीएम ऑफिस पर प्रशासनिक पोर्टल से डेटा लेने का आरोप

कोच्चि। केरल में सरकारी कर्मियों, न्यायिक अधिकारियों और विभिन्न लाभार्थियों सहित करीब 5 लाख लोगों को वॉट्सएप पर चुनावी संदेश भेजकर केरल सरकार घिर गई है। हाईकोर्ट ने मंगलवार को

नाराजगी जताते हुए पूछा कि मुख्यमंत्री कार्यालय को इनके मोबाइल नंबर कैसे मिले। कोर्ट ने डेटा सोर्स की पुष्टि तक ऐसे संदेश भेजने पर रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने कहा कि इस पहल में गोपनीयता की कमी है। साथ ही, संदेह जताया कि कहीं वेतन और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए बने एसपीएआरके पोर्टल का डेटा गलत तरीके से मुख्यमंत्री कार्यालय तक तो नहीं पहुंचाया गया। कोर्ट ने कहा कि प्रशासनिक डेटा का राजनीतिक प्रचार के लिए उपयोग अनुच्छेद-21 के तहत निजता के अधिकार और डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम, 2023 का गंभीर उल्लंघन है। कोर्ट ने पूछा है कि डेटा प्रोसेसिंग का कानूनी आधार क्या है? हाईकोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई के दौरान ये निर्देश दिए। याचिका में आरोप है कि मुख्यमंत्री कार्यालय ने गोपनीयता कानून का उल्लंघन कर विधानसभा चुनाव से पहले सीएम के फोटो वाले वॉट्सएप संदेश भेजे। इनमें 10फीसदी डीए बढ़ोतरी जैसे काम गिनाए गए थे। केरल देश का इकलौता राज्य है, जहां अभी भी लेफ्ट सत्ता में है। यहां सत्ता बदलने की परंपरा रही है, लेकिन 2021 में वाम मोर्चा ने इस ट्रेंड को तोड़ते हुए लगातार दूसरी बार सरकार बनाई। कांग्रेस गठबंधन की कोशिश इस बार एंटी इनकम्बेंसी को कैश करानी की रहेगी। वहीं, बीजेपी अब तक केरल में एक भी विधानसभा सीट नहीं जीत पाई है। पिछले लोकसभा चुनाव में यहां उसने त्रिशूर लोकसभा सीट जीती थी। इसके अलावा दिसंबर 2025 में भी बीजेपी ने पहली बार त्रिवेंद्रम (तिरुवनंतपुरम) नगर निगम का चुनाव जीता।

असम में बॉयफ्रेंड के सामने 7 लोगों ने महिला का रेप किया,2 गिरफ्तार, एक आरोपी के परिवार ने पत्रकार पर हमला किया

गुवाहाटी। असम के कछार जिले के सिलचर शहर के पास एक 28 साल की महिला का उसके बॉयफ्रेंड के सामने 7 लोगों ने गैंगरेप किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले में शिकायत 19 फरवरी को दर्ज कराई गई थी। मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि रेप के बाद एक आरोपी ने महिला से 10 हजार रुपए उसके खाते में ट्रांसफर कराए। पीड़ित के घरवालों ने कहा कि वह सिलचर शहर से

कुछ किलोमीटर दूर बाईपास रोड पर अपने बॉयफ्रेंड के साथ कार में थी, तभी एक एसयूवी में कुछ लोग आए और उन पर हमला कर दिया। उन्होंने कहा-आरोपियों ने पहले कपल से उनके ठिकाने के बारे में पूछा और फिर अचानक महिला और उसके दोस्त को पकड़ लिया। वहां करीब 7 आदमी थे, और उन्होंने उसके दोस्त के सामने एक-एक करके उसका रेप किया। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक पुलिस शुरू में इस मामले पर चुप थी, लेकिन मंगलवार को सिलचर के एक पत्रकार पर एक आरोपी के परिवार वालों ने हमला कर दिया। इसके बाद यह मामला सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने बताया कि पीड़ित ने दो लोगों की पहचान की, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में बाकी लोगों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि सिलचर सदर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 308 (5) (जान से मारने की धमकी देकर वसूली), 310 (2) (डकैती), 351(2) (आपराधिक धमकी), 61(2) (दो या उससे ज़्यादा लोगों का गैर-कानूनी काम, 70(1) (गैंग रेप) एवं अन्य संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है।पत्रकार ने दावा किया कि आरोपी के घरवालों ने उसे नेशनल हाईवे रोड पुलिस स्टेशन के पास रोका। उससे पूछा कि उसने घटना की रिपोर्ट क्यों की और फिर उसे पीटा। पत्रकार के मुताबिक वहां मौजूद लोगों ने उसे बचा लिया। उसने इस बारे में शिकायत भी दर्ज कराई और पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने लोगों से सोशल मीडिया पर गलत जानकारी न फैलाने की अपील की और जानकारी शेयर की। राज्यसभा एमपी सुष्मिता देव ने भी सख्त कार्रवाई की मांग की और पुलिस से मामले पर अपडेट मांगा।

पार्टनर शादी की बात टाल देता है,कहीं ये कमिटमेंट फोबिया तो नहीं, मुझे तो शादी चाहिए, क्या मैं ब्रेकअप कर लूं

नयी दिल्ली। विषय पर बात को समझते हैं एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा द्वारा सवाल जवाब के माध्यम से। सवालः मेरी उम्र 29 साल है और मैं दिल्ली में रहती हूं। मैं और मेरा बॉयफ्रेंड पिछले 5 सालों से रिलेशनशिप में हैं। मैं पहले जिस कंपनी में काम करती थी, वहीं हमारी मुलाकात हुई थी। फिर जॉब चेंज होने के बाद भी हमारा रिलेशनशिप कंटीन्यू रहा। मैं शुरू से ही ये बात कहती थी कि मुझे शादी करनी है। मुझे फैमिली और बच्चे चाहिए। इन 5 सालों में उसने कभी इस बात का विरोध नहीं किया। उल्टे वो भी कहता था कि उसे भी शादी करनी है। मुझे लगता था कि इस रिश्ते का अंत एक सुंदर शादी और परिवार में होगा। शुरू के तीन साल तो सिर्फ रोमांस और करियर की दौड़ में निकल गए। पिछले दो सालों से मैंने शादी के बारे में पूछना शुरू किया। पहले तो वो कहता था कि हां देखेंगे, करेंगे, जल्दी क्या है। लेकिन अब पिछले एक साल से मैं नोटिस कर रही हूं कि वो शादी की बात बिल्कुल इंटरटेन ही नहीं करता। तुरंत टॉपिंग बदल देता है, बात को टाल देता है, कुछ और करने लगता है। वो हां भी नहीं करता और ना भी नहीं करता। कहीं उसे कमिटमेंट फोबिया तो नहीं। मैं कैसे बात करूं? क्या मुझे वेट करना चाहिए या अपने भविष्य

के बारे में सख्त फैसला लेना चाहिए?

जवाबः सबसे पहले तो आपकी बात सुनकर लगता है कि आप एक मजबूत और समझदार इंसान हैं। 5 साल का रिश्ता चलाना कोई छोटी बात नहीं है, खासकर दिल्ली जैसे व्यस्त शहर में जहां जिंदगी की भागदौड़ में रिश्ते बनाना और निभाना दोनों मुश्किल होते हैं। आपकी उम्र 29 साल है, और आप शादी और परिवार की सोच रही हैं। यह बिल्कुल नॉर्मल है। लेकिन आपका पार्टनर जब भी शादी की बात पर टालमटोल करता है, तो मन में डर और शक आना स्वाभाविक है। क्या वो सच में कमिटमेंट से डर रहा है, या बस समय का बहाने बना रहा है? आप जो महसूस कर रही हैं, वो हजारों लड़कियों की कहानी है। आइए इस समस्या को एक-एक करके समझते हैं। हम चुनौतियों की बात करेंगे, उनके पीछे के कारण देखेंगे और फिर कुछ आसान तरीके जानेंगे जिनसे आप फैसला ले सकती हैं। साथ ही, हम यह भी देखेंगे कि पुरुष और महिलाएं इस स्थिति में अलग-अलग कैसे सोचते हैं और आपके पार्टनर को क्या सलाह देनी चाहिए। याद रखें, रिश्ते में भरोसा और बातचीत से बहुत कुछ सुलझ जाता है। जब रिश्ता लंबा चलता है लेकिन शादी की बात पर रुक जाता है, तो कई परेशानियां सामने आती हैं। ये वो मुश्किलें हैं जो आपके मन को परेशान करती हैं और रिश्ते पर असर डालती हैं। कल्पना करें कि आप अपने बॉयफ्रेंड के साथ एक अच्छा डिनर कर रही हैं और आप शादी का जिक्र करती हैं। वो मुस्कुराकर कहता है, अभी नहीं, बाद में सोचेंगे। लेकिन आपके मन में सवाल उठता है। क्या वो मुझे सिर्फ टाइम पास समझता है? 5 साल के रिश्ते में यह असुरक्षा आपकी रातों की नींद हराम कर सकती है।29 साल की उम्र में महिलाएं अक्सर बायोलॉजिकल क्लॉक के बारे में सोचती हैं। फैमिली और दोस्त पूछते हैं, शादी कब कर रही? यह प्रेशर आपको उदास या तनावग्रस्त कर देता है, जबकि पुरुषों के ऊपर यह दबाव कम होता है क्योंकि समाज में उनकी उम्र शादी के लिए ज्यादा फ्लेक्सिबल मानी जाती है। हर बार जब वो अभी समय नहीं कहता है, तो आपको लगता है कि शायद वो कभी तैयार नहीं होगा। यह शक रिश्ते को कमजोर करता है और आप सोचती रहती हैं कि क्या इंतजार करके अपना समय बर्बाद कर रही हूं?यह स्थिति छोटी-छोटी बातों पर बहस में बदल जाती है। आपका मूड खराब रहता है और वो सोचता है कि आप ज्यादा डिमांडिंग हो गई हैं। इससे रिश्ते में इमोशनल कनेक्शन कम हो जाता है। कई पुरुषों को शादी का मतलब

जिम्मेदारियां लगता है, घर, बच्चे, फैमिली। वे सोचते हैं कि अभी फ्रीडम एंजॉय कर लें। महिलाएं अक्सर रिश्ते को जल्दी कमिटमेंट में बदलना चाहती हैं क्योंकि वे भावनात्मक सुरक्षा ढूंढती हैं।दिल्ली जैसे शहर में जिंदगी महंगी है। आपका बॉयफ्रेंड शायद सोचता है कि शादी के बाद पैसे की दिक्कत न हो। पुरुष अक्सर खुद को प्रोवाइडर मानते हैं, जबकि महिलाएं रिश्ते की भावनात्मक मजबूती पर ज्यादा जोर देती हैं। अगर उसके घर में तलाक या झगड़े हुए हैं, तो वो शादी से डर सकता है। महिलाएं अक्सर इन अनुभवों से सीखकर बेहतर रिश्ता बनाना चाहती हैं, लेकिन पुरुष इन्हें बहाना बना लेते हैं। वो कहता है कि अभी सही समय नहीं है। यह भी हो सकता है कि वह करियर या खुद पर फोकस करना चाहता है। महिलाएं रिश्ते को जीवन का हिस्सा मानती हैं, जबकि पुरुष कभी-कभी इसे अलग रखते हैं। अब सवाल यह है कि क्या इंतजार करें या फैसला लें? यहां कुछ आसान उपाय हैं जो आपको मदद करेंगे। याद रखें, रिश्ते में कुछ चीजें पैसों से नहीं खरीदी जा सकतीं, जैसे भरोसा, प्यार और कमिटमेंट। हालांकि, बातचीत सबसे जरूरी है। खुलकर बात करें- अपने बॉयफ्रेंड से शांति से बैठकर पूरी बात करें। आप उसे खुलकर बताएं कि आप इस बात से क्यों परेशान हो रही हैं। उससे उसका प्लान भी पूछें। इससे सच्चाई सामने आएगी। समय सीमा तय करें- खुद से कहें कि 6 महीने इंतजार करूंगी, अगर तब भी नहीं तो फैसला लूंगी। इससे आपको कंट्रोल मिलेगा। अपना ख्याल रखें- अकेले समय बिताएं, दोस्तों से मिलें, करियर पर फोकस करें। योग या वॉकिंग करें ताकि तनाव कम हो। प्रोफेशनल मदद लें- अगर बात नहीं बनती, तो काउंसलर से मिलें। वे आपको और आपके पार्टनर को समझने में मदद करेंगे। अपने लक्ष्यों पर सोचें-शादी आपकी जिंदगी का हिस्सा है, लेकिन सबकुछ नहीं। अगर वो तैयार नहीं, तो क्या आप खुश रह सकती हैं? आपके पार्टनर के लिए सुझाव- आपका बॉयफ्रेंड भी इस स्थिति में परेशान हो सकता है। यहां उनके लिए कुछ टिप्स-धैर्य रखेंः आपकी फीलिंग्स को समझें और जल्दबाजी न करें। खुलकर बात करेंः अपने डर या कारण बताएं, जैसे फाइनेंशियल चिंता। समझौता करेंः अगर तैयार नहीं, तो वजह बताएं और प्लान शेयर करें। साथ मिलकर फैसला लेंः यह रिश्ता दोनों का है, अकेले न सोचें। क्या इंतजार करना सही है? समय सब ठीक नहीं करता, बल्कि आपकी कोशिशें करती हैं। अगर 5 साल में वो तैयार नहीं हुआ, तो शायद आगे भी न हो। लेकिन अगर वो प्यार करता है, तो बातचीत से रास्ता निकलेगा। अगर जरूरत हो तो प्रोफेशनल मदद लें। याद रखें कि आपकी खुशी सबसे जरूरी है। 5 साल लंबा रिश्ता तोड़ना आसान नहीं होता, लेकिन अगर शादी आपकी प्राथमिकता है और वो तैयार नहीं है तो आपको सख्त फैसला लेना पड़ सकता है। हजारों लोग आपके जैसे सफर से गुजरे हैं और खुश हैं। खुद पर भरोसा करें और आगे बढ़ें। आप अकेली नहीं हैं आप मजबूत हैं। वहीं अगर आपको पार्टनर पर भरोसा है और इंतजार कर सकती हैं तो मिलकर एक समय सीमा तय कर लें।

जब पूनम से मिलने आधी रात चले जाते थे शत्रुघ्न सिन्हा,शादी में 3 घंटे देर से पहुंचे,रीना रॉय से भी रहा अफेयर

मुंबई। 1971 का दौर। भारत-पाक में जंग जारी थी। कर्फ्यू की वजह से रात को बंबई (अब मुंबई) बिल्कुल शांत हो जाती थी। ऐसी ही एक घुप्प रात को शत्रुघ्न सिन्हा अपनी गर्लफ्रेंड पूनम चंदीरमानी से

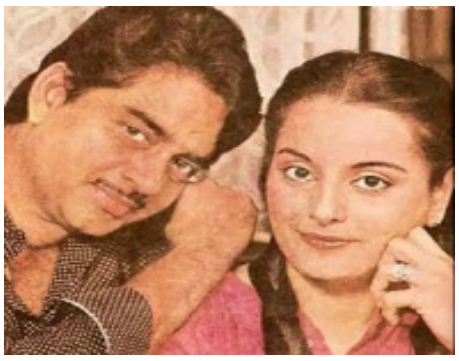

मिलने उनके घर पहुंच गए। उन्होंने तय कर लिया था कि अगर पूनम के घरवालों ने पकड़ लिया, तो भागकर कोर्ट मैरिज कर लेंगे। इधर इंतजार में पूनम भी दरवाजों में तेल डाल रही थीं, ताकि शत्रुघ्न के आने पर ये आवाज न करें। शत्रुघ्न बताते हैं, 'उस रात क्या होगा, इसके बारे में मैंने बहुत सोचा था, लेकिन जब पूनम से मिला, तो सबसे पहले उन्होंने इतना इंतजार कराने के लिए हल्का थप्पड़ मार दिया।' कहानी में 6 साल पीछे चलते हैं। 1965 में जून की कोई तारीख थी। पटना रेलवे स्टेशन पर 19 साल के शत्रुघ्न सिन्हा बंबई जाने वाली ट्रेन में सवार हुए। उनका एडमिशन पुणे के चर्चित फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) में हो गया था। अपनी सीट पर बैठते ही शत्रुघ्न सिन्हा की नजर सामने स्कर्ट पहनी एक सुंदर लड़की पर पड़ी। वह अपने परिवार के साथ एक शादी में पटना आई थी और वापस बंबई लौट रही थी। लेखक भारती एस. प्रधान की किताब, 'एनिथिंग बट खामोशः द शत्रुघ्न सिन्हा बायोग्राफी' में शत्रुघ्न बताते हैं, 'पूनम को देखते ही मैं उनकी खूबसूरती का कायल हो गया था। मैंने देखा कि वे रो रही थीं। शायद उनके साथ आई बुआ ने उन्हें डांटा होगा। मैं भी घर छोड़कर जा रहा था, इसलिए रुआंसा था।' 'शत्रुघ्न अब पूनम से बातचीत की जुगत भिड़ाने लगे। शत्रुघ्न बताते हैं, 'प्रोमी (पूनम का निक नेम) को रोते हुए देख, जिंदगी में पहली बार मैंने एक फिल्मी डायलॉग पर्ची पर लिखा- 'इतने सुंदर चेहरे पर आंखों में आंसू अच्छे नहीं लगते। रोना नहीं।' और इसे उस समय की फेमस माधुरी मैगजीन में रखकर दे दिया। मुझे लगा था कि ऐसा करने से वो मुझे हीरो समझेंगी, लेकिन उन्होंने तो मैगजीन ही खिड़की से बाहर फेंक दी।'' इसके बाद शत्रुघ्न की पूनम से बात करने की हिम्मत नहीं हुई, हालांकि वो इस बात से मन ही मन खुश हो रहे थे कि पूनम ने मैगजीन में चिट्ठी देने वाली बात अपनी बुआ को नहीं बताई। कल्याण स्टेशन पहुंचकर, पूनम अपने घर के लिए निकल गईं और शत्रुघ्न एफटीआईआई, पुणे के लिए दूसरी ट्रेन पकड़ने। 'एनिथिंग बट खामोश' में शत्रुघ्न बताते हैं, 'मुझे लगा था कि जाते हुए वह पलटकर मुझे जरूर देखेगी, जैसा फिल्मों में होता है, लेकिन शायद वह 'मुड़-मुड़ कर न देख मुड़-मुड़ के' गाने से प्रभावित थी, क्योंकि उसने एक बार भी पलटकर नहीं देखा।' दो दिनों के सफर के दौरान पूनम ने भले ही भाव न दिया हो, लेकिन शत्रुघ्न ने उनकी बुआ का भरोसा जीत लिया था। इसलिए जाते वक्त बुआ ने अपने घर का पता दे दिया और घर आने का न्योता भी। दरअसल, पूनम की बुआ के कोई बच्चे नहीं थे, इसलिए उन्होंने अपने भाई से पूनम को गोद ले लिया था। वह उन्हीं के साथ रहती थीं। 3 साल बाद 1968 में पूनम 'मिस यंग इंडिया' बन गईं, लेकिन शत्रुघ्न अभी भी एक स्ट्रगलिंग एक्टर ही थे। पूनम को फिल्मों के ऑफर भी आने लगे। फिल्म शुरू होने वाली थी, इसलिए मीडिया के लोग भी थे। सिन्हा भी उसी भीड़ में शामिल हो गए। थोड़ी देर बाद, एक लड़की शत्रुघ्न से टकराई और बोली 'आई एम वेरी सॉरी।' दोनों ने एक-दूसरे को पहचान लिया और बातें करने लगे। वो लड़की उस फिल्म की हीरोइन पूनम चंदीरमानी थी। शत्रुघ्न के मुताबिक, 'किसी फिल्म की हीरोइन का इस तरह एक स्ट्रगलिंग एक्टर से बात करना बड़ी बात थी। इससे मुझे बहुत खुशी हुई। मैंने पूनम और अपने बीच एक जुड़ाव महसूस किया।' 1970 के दशक में शत्रुघ्न को भी फिल्में मिलना शुरू हो गईं और दोनों की दोस्ती प्यार में बदल चुकी थी। 1971 में पूनम और शत्रुघ्न सिन्हा की फिल्म 'धरती की गोद में' आई। हालांकि इसमें पूनम हीरोइन और शत्रुघ्न विलेन के किरदार में थे। आगरा में इस फिल्म की शूटिंग के दौरान भीड़ ने हंगामा कर दिया था। लोग पत्थर तक फेंकने लगे थे। इस भगदड़ से बचने के लिए पूनम और शत्रुघ्न एक ही बाथरूम में बंद हो गए थे। धीरे-धीरे पूनम और शत्रुघ्न के अफेयर की बातें होने लगीं, तो पूनम की बुआ को बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसलिए जब पूनम और शत्रुघ्न को साथ में एक और फिल्म ऑफर हुई, तो उनकी बुआ ने साफ इनकार कर दिया। पूनम की बुआ उन्हें शत्रुघ्न सिन्हा से मिलने नहीं दे रही थीं और उनकी शादी के लिए सिंधी लड़के तलाशे जा रहे थे, लेकिन अपने दोस्तों और घर में काम करने वाले स्टाफ की मदद से दोनों छिपकर मिल लिया करते थे।

शत्रुघ्न फिल्म थिएटर में अपना मुंह ढक कर और काले चश्मे पहनकर पूनम से मिलने जाते। पूनम भी किसी तरह थिएटर आ जातीं। दोनों एक दूसरे को चिट्ठियां लिखते।

इस समय तक शत्रुघ्न ने अपनी मां और चचेरी बहन अन्नपूर्णा को भी उनके और पूनम के रिश्ते के बारे में बता दिया था। जब शत्रुघ्न सिन्हा की फिल्में हिट होने लगीं, तो उन्हें लगा कि अब बुआ शादी के लिए मान जाएंगी। उन्होंने अपने बड़े भाई राम और प्रोड्यूसर एन. एन. सिप्पी को रिश्ता मांगने भेजा। एन. एन. सिप्पी को भेजने की वजह यह थी कि वह भी पूनम की तरह सिंधी थे।

हालांकि पूनम की बुआ ने यह कहकर रिश्ता ठुकरा दिया कि-'अपने भाई को देखो और मेरी बेटी को देखो। मेरी बेटी इतनी गोरी और सुंदर है कि अगर दोनों की कलर फोटो भी ली जाए तो वह ब्लैक एंड व्हाइट आए।' सिन्हा की फिल्मों की सफलता के बाद उन्हें चाहने वालों की गिनती बढ़ती जा रही थी। इसी बीच उनकी जिंदगी में एक दूसरी एक्ट्रेस आईं- रीना रॉय। एक बार एक शादी समारोह में पूनम अपनी बुआ के साथ पहुंची थीं। शत्रुघ्न भी यहां आए हुए थे। इस समय तक शत्रुघ्न सिन्हा बॉलीवुड में बड़े स्टार बन चुके थे। सिन्हा ने पूरी शादी में पूनम और उनकी बुआ का खूब ध्यान रखा। कार्यक्रम खत्म होने के बाद अपनी गाड़ी में खुद ड्राइव करके घर भी छोड़ने गए। करियर के इतने ऊंचे मकाम पर भी शत्रुघ्न का सम्मानजनक व्यवहार बुआ को भा गया। उन्होंने 1973 में आई 'सबक' फिल्म में पूनम को शत्रुघ्न के साथ काम करने से भी नहीं रोका। इधर धीरे-धीरे बॉलीवुड की सफलता और लड़कियों से मिलता अटेंशन, शत्रुघ्न के सिर चढ़ने लगा था। अब वह दोस्तों के साथ शराब भी पीने लगे थे। एनिथिंग बट खामोश में सिन्हा खुद मानते हैं, 'मैं संगत, स्टारडम और अटेंशन के चक्कर में बहक गया था।' रीना रॉय से उनकी नजदीकी इतनी बढ़ गई थी कि बुआ के शादी के लिए राजी होने के बावजूद उन्होंने पूनम से सारे रिश्ते खत्म कर दिए। 'सबक' की शूटिंग

के दौरान भी दोनों एक-दूसरे से बातचीत नहीं करते थे। शत्रुघ्न बताते हैं-'सबक के दौरान मैंने प्रोमी से रिश्ता तोड़ दिया था। वह मेरे लिए कुछ ज्यादा ही अच्छी थी। वह मुझसे बेहतर डिजर्व करती थी।' तीन साल तक शत्रुघ्न और पूनम के बीच कोई बातचीत ही नहीं हुई। ब्रेकअप के बाद भी पूनम शत्रुघ्न सिन्हा की मां के लगातार संपर्क में थीं।

वो हर दिन शत्रुघ्न के घर फोन करके उनके स्टाफ से शत्रुघ्न का हाल पूछतीं, उनके खाने और दवा की याद दिलातीं। 'एनिथिंग बट खामोश' में शत्रुघ्न सिन्हा बताते हैं, 'उन दिनों प्रोमी बहुत रोती थी। उनका वजन भी कम हो गया था। वह शाकाहारी बन गई थीं और भगवान में उनकी आस्था बढ़ गई थी।' फिल्म इंडस्ट्री पूनम और रीना दोनों अभिनेत्रियों की साइलेंट लड़ाई देख रही थी। एक बार पूनम 'एस' लेटर लिखी नोजपिन पहनकर किसी इवेंट में दिखीं तो एक बार रीना रॉय भी दोनों तरफ 'एसएस' लिखे सनग्लास पहने दिखाई दीं। 1980 में एक दिन पूनम और उनकी बुआ शत्रुघ्न सिन्हा के बंगले रामायण में उनकी मां से मिलने पहुंचे।

सुबह 11 बजे से शाम के 7 बजे तक तीनों बातें करती रहीं। शत्रुघ्न को कोई अंदाजा नहीं था कि आखिर चल क्या रहा है। शाम को पूनम और बुआ वापस लौट गईं, तो मां ने शत्रुघ्न से सिर्फ एक सवाल किया- वह मेरे लिए ज्यादा ही अच्छी है का क्या मतलब है?' मां की दखलअंदाजी के बाद शत्रुघ्न सिन्हा ने पूनम से शादी करने का फैसला कर लिया। उन्होंने पूनम से पूछा, 'जो कुछ हुआ, उसके बाद भी क्या तुम मुझसे शादी करोगी?' इस पर पूनम ने कहा, 'अगर आप मुझे ठीक तरह से प्रपोज करते हैं, तो मैं जवाब दूंगी।' इसके बाद सिन्हा ने पूनम को रामायण के टेरेस पर घुटनों के बल बैठकर शादी के लिए प्रपोज किया, जिसे पूनम ने स्वीकार कर लिया।उस समय रीना रॉय और शत्रुघ्न सिन्हा के अफेयर के खूब चर्चे थे। ऐसे में उनके पूनम से शादी के फैसले ने सभी को चौंका दिया। शत्रुघ्न ने अपने दोस्त डॉ. उपेंद्र को पूनम से शादी करने की वजह बताई थी। उनके मुताबिक, 'शत्रुघ्न ने मुझे बताया था कि रीना उनसे प्यार करती हैं, लेकिन पूनम उनकी पूजा करती हैं।'जब शत्रुघ्न के दोस्त मुंबई में उनकी और पूनम की शादी के कार्ड बांट रहे थे, तब शत्रुघ्न लंदन में रीना रॉय के साथ स्टेज शो कर रहे थे। शादी के दो दिन पहले तक वे लंदन में ही थे। एक इंटरव्यू में शत्रुघ्न ने बताया था, 'मैं अपनी शादी में तीन घंटे लेट पहुंचा था। पूनम को लग रहा था कि मैं शादी से पीछे तो नहीं हट गयाष्ठ'शादी के बाद भी रीना रॉय के साथ शत्रुघ्न सिन्हा के संबंध खत्म नहीं हुए। एनिथिंग बट खामोश के मुताबिक, 'शादी के बाद भी सिन्हा कई सालों तक रीना से मिला-जुला करते थे। पूनम भी यह बात जानती थीं।' शत्रुघ्न सिन्हा ने खुद एक इंटरव्यू में बताया था कि वे और रीना 7 साल रिलेशनशिप में थे। एक समय तो ऐसा आया था जब शत्रुघ्न सिन्हा के बड़े भाई राम ने उन्हें रीना से दूसरी शादी करने के लिए कह दिया था। हालांकि सिन्हा ने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया। बाद में रीना ने 1983 में पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहसिन खान से शादी कर ली और पाकिस्तान चली गईं। उनकी शादी ज्यादा दिन नहीं चली और 1992 में रीना तलाक लेकर भारत लौट आईं। उन दिनों यह बात खूब चली थी कि रीना को उनकी बेटी की कस्टडी दिलाने और भारत वापस लाने में शत्रुघ्न सिन्हा ने खूब मदद की थी।इस सब के बाद भी शत्रुघ्न और पूनम की शादी को 35 साल हो गए। और इन 35 सालों में वे एक सुखी कपल की तरह ही रहे। शत्रुघ्न सिन्हा के मुताबिक पूनम के सपोर्ट की वजह से ही वे अपने फिल्मी और पॉलिटिकल करियर की ओर ध्यान दे पाए।

एनिथिंग बट खामोश में वे बताते हैं, 'यह सच है कि बहुत सी हीरोइनों से मेरी नजदीकियां थीं। उस समय मैंने पूनम को बहुत दुख पहुंचाया। इसके लिए मैं हमेशा शर्मिंदा रहूंगा।'शादी के 11 साल बाद 1991 में शत्रुघ्न सिन्हा राजनीति में आए। उन्होंने पटना साहिब से बीजेपी के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की।

1996 और 1998 में फिर चुनाव लड़ा, लेकिन इस बार उन्हें सफलता नहीं मिल पाई। 2000 में राज्यसभा गए। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में केंद्रीय मंत्री भी रहे। 2009 और 2014 में फिर पटना से लोकसभा चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की, लेकिन इसके बाद सिन्हा और बीजेपी में दूरियां पैदा हो गईं। 2019 में वे कांग्रेस में शामिल हुए। इसी समय पूनम की भी राजनीति में एंट्री हुई और उन्होंने समाजवादी पार्टी जॉइन कर ली।

शत्रुघ्न पटना से तो पूनम लखनऊ से चुनाव लड़ीं, लेकिन दोनों की हार हुई। इसके बाद 2022 में सिन्हा तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए और अब बंगाल के आसनसोल से लोकसभा सांसद हैं। उनकी राजनीति का केंद्र भी अब बंगाल हो गया है।

रेड फ्लैग

पार्टनर चैट्स का स्क्रीनशॉट रखता है,झगड़े में पुरानी बातें ले आता है, फिर सबूत दिखाता है

नयी दिल्ली। आजकल के तनाव भरे जीवन में लोगो के आपसी रिश्ते बहुत उलझ जाते हैं जिसको मनोवैज्ञानिक तरीके से समझना ज़रूरी होता हैं इस विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं दिल्ली यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन कर रही हूं। एक साल से रिलेशनशिप में हूं। मेरा बॉयफ्रेंड मेरी हर बात का रिकॉर्ड रखता है, चैट के स्क्रीनशॉट रखता है। मैंने कब क्या कहा, कैसे कहा, सबकुछ। फिर जब भी हमारे बीच झगड़ा होता है, वो पुराने चैट्स निकालकर दिखाने लगता है। जब पहली बार उसने चैट का स्क्रीनशॉट दिखाया तो मुझे बहुत शॉक लगा था। क्या ये बिहेवियर नॉर्मल है, क्या ये ट्रस्ट की कमी है या मैं जरूरत से ज्यादा सेंसिटिव हूं? मुझे कुछ भी समझ नहीं आ रहा है कि मैं क्या करूं? जवाब- सबसे पहले तो शुक्रिया कि आपने अपनी भावनाओं को शब्दों में इतने अच्छे से व्यक्त किया। कॉलेज लाइफ में रिश्ते की इतनी गहरी समझ होना और ये सवाल पूछना आसान नहीं होता। ज्यादातर लड़कियां ऐसे मामलों में खुद को ही दोष देती रहती हैं, लेकिन आपने सवाल किया यानी

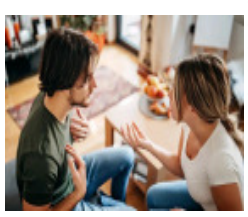

आप सजग हैं। ये अपने आप में बहुत बड़ी बात है।आपका सवाल पार्टनर की सिर्फ एक आदत को लेकर नहीं है। यह सवाल इमोशनल सेफ्टी और उस भरोसे को लेकर है, जो किसी भी रिलेशनशिप की बुनियाद है। इसलिए सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि आप जो महसूस कर रही हैं, वह न तो छोटी बात है और न ही आप ओवर-सेंसिटिव हैं। आपकी फीलिंग्स पूरी तरह वैलिड हैं। रिश्ते में अगर हर बात पर सबूत मांगे जाएं, तो अविश्वास पैदा हो सकता है। चलिए, इस समस्या को स्टेप-बाई-स्टेप समझते हैं और देखते हैं कि आप क्या कर सकती हैं।अगर कोई पार्टनर बातचीत के स्क्रीनशॉट संभालकर रखता है और झगड़े के समय उन्हें दिखाता है, तो यह हेल्दी पैटर्न नहीं है। रिकॉर्ड्स कोर्टरूम में जरूरी होते हैं क्योंकि वहां जज को सच और झूठ तय करने के लिए सबूत चाहिए। लेकिन ये समझना चाहिए कि रिश्ता कोर्टरूम नहीं है। इसलिए इसमें सबूत नहीं, समझ, भरोसा और भावनाओं की जरूरत होती है। इस तरह का बिहेवियर टॉक्सिक हो सकता है। रिकॉर्ड रखने का पार्टनर पर क्या असर पड़ता है? ऐसे रिश्ते में इंसान पर अक्सर ये तीन भावनाएं हावी हो जाती हैं। डर- कुछ भी कहने से पहले सौ बार सोचना। असुरक्षा- डर कि कहीं मेरी लिखी बात बाद में मेरे खिलाफ ही न इस्तेमाल हो। खुद पर शक- मन में खुद के लिए ही शक पैदा होना। यह टॉक्सिक रिलेशनशिप का संकेत हो सकता है, अगर आपको लग रहा है कि- आप खुलकर बात नहीं कर पा रही हैं। हर शब्द तौलकर बोलना पड़ रहा है। आपको हर वक्त जजमेंट का डर लगता है। ऐसे मामलों में अक्सर लड़कियां खुद को कमतर महसूस करने लगती हैं। उन्हें ऐसा लगता है, जैसे हर बात एक टेस्ट है, जहां फेल होने पर पुराने पेपर निकालकर दिखाए जाते हैं। ये न सिर्फ गुस्सा बढ़ाता है, बल्कि रिश्ते की खुशी को भी छीन सकता है। अक्सर लोग ऐसी सिचुएशन को सीधे ट्रस्ट इश्यू कह देते हैं, जबकि यह इससे ज्यादा गहरी बात है। पार्टनर के ऐसे बिहेवियर के पीछे उसका कोई ट्रॉमा, पास्ट रिलेशनशिप या परवरिश हो सकती है। ऐसा हो सकता है कि उसके ऊपर पिछले रिश्तों में झूठे आरोप लगे हों। हो सकता है कि उसे बार-बार गलत ठहराया गया हो। हो सकता है कि उसकी परवरिश ऐसी रही हो, जहां हर बात का हिसाब रखा जाता हो। उसे यह सिखाया गया हो कि बिना सबूत के बात पर भरोसा नहीं किया जाता।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।